अपने दिन और उसके संदेश की पहचान

गुड मार्निंग, दोस्तो, एकक्षण के लिए हमलोग खड़े रहें.

1 प्यारे परमेश्वर, इस जीवन की दौड़-धूप के बीच जब हम अगले कुछ क्षणों या घंटे के लिये ठहरे हैं, चाहे जो कुछ भी तूने हमारे वास्ते रखा है, तेरी स्तुति और महिमा के लिये, तेरे वचन का प्रचार करने को, तुझे और भी भली-भाँति जानने को..... यही कारण है आज की सुबह हमलोग जमा हुए हैं, और हम तुम्हें धन्यवाद देते हैं, हे परमेश्वर, क्योंकि वैसे लोग हैं, जो तैयार हैं, और सुनने को तैयार होकर आये हैं. परिस्थितियों और समय की परवाह न करते हुए— जिनमें हम रहते हैं, वे विश्वास करते हैं. और हम तुझे उनके लिये धन्यवाद देते हैं.

2 हे परमेश्वर! हम तेरी चंगाई की शक्ति के लिये तेरा धन्यवाद करते हैं, तेरे वचन की प्रतिज्ञाओं के लिए. जब हम इन गवाहियों को सुनते हैं, किस प्रकार हमारे हृदय उद्दीप्त हो उठते हैं. सभी प्रकार की दुःख-तकलीफ जो इंसान की औलाद पर गुजरे हैं. तूने अपनी कृपा और शक्ति और प्रतिज्ञा से उन्हें चगाई दी है और वे यहाँ गवाही दे रहे हैं, ईश्वर की स्तुति कर रहे हैं, हम तुझे इसके लिए धन्यवाद देते हैं. और अब ऐसा हो कि हम आज उस संदेश को सुन सकें जो तूने इस घड़ी के लिए हमारे वास्ते दिया है. जब हम तेरे वचन में पढ़ते हैं, ऐसा हो कि जो हम पढ़ते हैं, उसका प्रसंग तू हमें दे. सभी बातों में तेरी इच्छा से काम हो, क्योंकि हम इसे यीशु के नाम से माँगते हैं. आमीन बैठ जाएँ)

3 आज की सुबह यहाँ होना एक सौभाग्य है, मैं आप सब के

कारण बहुत आनन्दित हूँ. और भाई उड, भाई रॉय रॉबर्सन, और दूसरे कई भाइयों ने इस उद्देश्य से इस इमारत को एयर-कंडीशन्ड करने के लिये पिछले दो दिनों से वफादारी से काम किया है, क्योंकि पिछले रविवार को उनलोगों ने देखा कि आपको कितनी तकलीफ हुई. और चर्च के खजाने में उन लोगों के पास कुछ पैसे थे, और वे काम में लग गए, पैसे को काम में लगा दिया, ताकि आपको आराम हो, जिस पैसे को आपने दान में दिया, ताकि आप बैठ सकें संदेश को सुन सकें. पहले से आज ज्यादा ठण्ढा है. इसलिए हम ईश्वर के प्रति धन्यवादित हैं, और आपलोगों के प्रति, इस शुभ अवसर के लिये.

4 खुशी हैं भाई रॉय बोर्डर्स के लिए... एक तरह से वे आज सुबह में आना नहीं चाहते थे. और मैंने उनसे कहा कि कुर्सी ले लें और इन सेवकों के साथ यहाँ बैठें', लेकिन वे ऐसा नहीं करना चाहते थे जैसा कि आप सब जानते हैं, भाई बोर्डर्स इस क्षेत्र में हमारे प्रतिनिधि हैं भाई बोर्डर्स को यहाँ पाकर बड़ी खुशी है, और कई दूसरे सेवकों और दोस्तों को पाकर.

5 पूरे सप्ताह भर में सोचता हूँ और कहता हूँ, "जब मैं रविवार को वहाँ जाऊँगा हर सेवक से पहचान करूँगा, हर आदमी से" और तब जब आपलोग यहाँ पहुँचते हैं, आप संदेश में इस प्रकार रम जाते हैं कि करीब-२ सब कुछ भूल बैठते हैं, कि कहाँ क्या था.

6 अब मुझे वापस एरिजोना पहुँचना है. मुझे अगले सोमवार, एक हफ्ता ट्यूसन लौटना है, स्कूल के लिए बच्चों को लेने और तब, उसके बाद, वापस आ रहा हूँ, और श्रीमतीजी को वहाँ पहले पहुँचना है--स्कूल शुरू होने के दो हफ्ते पहले बच्चों का रजिस्ट्रेशन कराने... और तब मैं कुछ समय के लिए यहाँ वापस आ रहा हूँ

7 यह समय मेरी छुट्टी का है. जैसा कि आप जानते हैं मैं दिसम्बर से यहाँ प्रवचन देता रहा हूँ— दिसम्बर, जनवरी, फरवरी, मार्च, अप्रैल, मई, जून और जुलाई अब, अगर ईश्वर ने चाहा और कोई खास बुलावा नहीं हुआ, तो यही वह मौसम है जब मैं आराम करता हूँ, मुझे फुरसत रहती है. मैं शिकार पर जाता हूँ.

8 अब अगर प्रभु ने मुझे किसी और चीज के लिए बुला भेजा, तब तो बात ही और है. परमेश्वर सबसे पहले है. और मैं चाहता हूँ कि वह पहले रहे और आप चाहते हैं वह पहले रहे, लेकिन तब अगर कोई खास बुलावा न हो और यही उनकी मर्जी हो, तो यही मैं अगले कुछ महीने करनेवाला हूँ, यानी शिकार. अपने को विश्राम देने के लिये. मैं...

9 आप महसूस नहीं करते है, संसार कभी नहीं जान पायेगा, मुझे क्या-कुछ से गुजरना पड़ता है. और यह बहुत बड़ा बोझ है. कोई आश्चर्य नहीं प्रभु जब अपने शिष्यों के साथ घूम रहे थे, अपने शिष्यों से कहा, "आओ, अलग निर्जन स्थान में चलें, और थोड़ी देर विश्राम करें" मैं हर रोज इस बात को ज्यादा से ज्यादा महसूस करता हूँ, खासकर धरती पर ज्यों-ज्यों मेरे दिन गुजरते जाते हैं, समझे ? आप ज्यों-ज्यों बड़े होते जायेंगे इस बात को महसूस करेंगे. आप सुन रहे हैं, इस पर भी हमारे पास्टर "आमीन" कह रहे हैं. हमलोग महसूस करते हैं कि पचास साल की उम्र के बाद हम लड़के नहीं रह जाते. हमें कुछ समय चाहिये ही.

10 अभी-अभी हमने जो गवाहियाँ सुनीं, उसके लिए हम बहुत धन्यवादित हैं, श्रीमतीजी कल श्रीमती उड के घर पर थीं, जब कुछ लोग अल्बामा से आये, वहीं किसी जगह से, और बता रहे थे उन बड़े-बड़े कामों के बारे में, जिन्हें प्रभु ने उस मीटिंग में किया,

छोटे-छोटे बच्चे चंगाई पा रहे थे, और भी तरह-तरह के काम.... इन सबको बताने में काफी समय लगेगा.

11 तब मुझे यह भी याद रखना है कि.... मेरा ख्याल है, उनमें से किसी ने मुझसे कहा बहन लार्सन यहाँ एक छोटे बच्चे के साथ दो रविवार रही हैं. मैं नहीं जान पाता, लेकिन मेरा ख्याल है, उनलोगों ने कहा कि यह उनका पोता है जिसे शायद समर्पण के लिए लाया है. वे इसे शिकागो से ला रही हैं. भद्र महिला हमलोगों पर बहुत मेहरबान रही हैं, और हम उनकी सराहना करते हैं. और उन्होंने एक छोटे बच्चे को समर्पण के लिए शिकागो से लाया. जिसे समर्पण के लिए लाने में, मैं सोचता हूँ, इन्हें काफी समय लगा, लेकिन वे चाहती हैं कि बच्चे को प्रभु को समर्पित किया जाए इसलिए, जबकि मैं बोल रहा हूँ, अगर वे बच्चे को समर्पण-सेवा के लिए जरा ले आएँ....

12 और जब तक वे शायद तैयार हो रही हैं मैं कहना चाहता हूँ कि यह सबसे कठिन संदेश है जिसे मैंने तैयार करने की कोशिश की, पिछली रात तक. पूरे हफ्ते में कमरे में जाता, बुलावे वगैरह के बाद अलग-थलग बैठने की कोशिश करता— इस घड़ी के लिए अपने दिमाग में कुछ लाने की कोशिश करता और जब मैं जाता, मैं भी ... नहीं कर पाता मेरा दिमाग खाली था, और कल मैं नीचे के कमरे में गया. मुझे लगा गर्मी बहुत ज्यादा थी. सो मैं नीचेवाले कमरे में गया, वहाँ बैठा. और मैंने अपनी बाइबिल लेकर पढ़ने की कोशिश की, और नींद आ गई तब मैं उठा और एक ग्लास पानी पीया, और अपने को झकझोरने की कोशिश की, बाहर गया, चहल कदमी की. और सीढ़ी पर बैठ गया.

13 कोई आया और मेरी कमीज को पकड़ लिया, सीढ़ी पर बैठ गया, बहुत गर्मी थी, बड़ी गर्मी थी. उनलोगों ने हाथ हिलाया

मैं नहीं जानता था कि उन्होंने हाथ हिलाया है.... किसी ने, हो सकता है कोई इस शहर का रहा हो, या हो सकता है इस चर्च का, मुझे हाथ हिलाया और मैं इस तरह विचार-मग्न था, कि मैंने सिर्फ कार को जाते देखा. मैंने हाथ हिलाया.

14 पिछली रात मैं मोटरगाड़ी में सवार हुआ और चार्ल्सटाउन की ओर चला, कुछ पाने की कोशिश करते हुए, लगा प्रभु मुझसे कुछ कहना चाहता था, लेकिन मैं.... शैतान मेरे रास्ते में आने की कोशिश कर रहा था, मुझे रोकने को सो मैंने सोचा, "ठिक है अगर वह ऐसा करता है तो मैं बस इन्तजार करूँगा, इन्तजार करता रहूँगा दरवाजे पर धमाचौकड़ी मचाता रहूँगा, जब-तक वह नहीं खोलता इसलिए ठिक कुछ क्षण पहले या शायद सुबह सात बजे के थोड़ी देर बाद .. मैं बहुत तड़के उठ गया.

15 कल मैं जरा बीमार सा था, कोशिश करता रहा ... मैंने कुछ मक्का खा लिया था जो मुझे ठीक से हजम नहीं हुआ, काफी गरम था, और मैं उससे पिंड छुड़ाना चाहता था और— तब आज सुबह आठ बजे के लगभग संयोग से मुझे बाइबिल से एक पद मिल गया, जिसने मुझे हैरत में डाल दिया. और मैंने उस पद को बार-बार देखा. इसने मुझे आश्चर्य में डाल दिया. और मैं बाइबिल में छान-बीन करता रहा और कुछ मिनट पहले मेरा यह सिलसिला खत्म हुआ. इसलिए हो सकता है आज सुबह प्रभु का हमारे लिए संदेसा है जो शैतान ने कोशिश की कि हमें न मिले.

बहन लार्सन बच्चे को जरा यहाँ लाएँगी? [भाई ब्रैनहम बच्चे का समर्पण करते हैं— सम्पादक] परमेश्वर उनके साथ हो और उनकी सहायता करे.

16 अब मैं पिछले रविवार को दो दिन आपको रोके रहा, और

मैं सोचता हूँ— कि शायद दो आराधना, सुबह और शाम, और यह आपके लिए कठिन है. मैं इस बात को समझता था कि— आप में से कुछ को इतनी दूर का सफर करना पड़ता है, एक दिन का काम छोड़ना पड़ता है इसलिए अगर हम रविवार, सोमवार, एक हफ्ता छोड़ भी दें मैं ठीक दूसरे रविवार को आराधना की सूचना दूँगा, प्रभु ने चाहा तो, जब तक कि भक्त-मण्डली रात भर ठहर जाना न चाहे. देखिये, आप पर.... आप बहुत सारे लोग हैं. कितने लोग चाहते हैं कि ये आराधनाएँ आज की रात हों? कितने चाहते हैं कि यह अगले रविवार हो, हाथ उठायें.

17 आज सुबह का यह संदेश लम्बा है लेकिन मैं नहीं जानता कैसे.... और मैं जानता हूँ मैं चर्च के नियम-कायदों के बनाने में मदद करता हूँ. लेकिन अगर आप देखेंगे तो मैंने कहा "टेप करना छोड़कर. देखिए इसलिए यह टेप करना है सो हो सकता है हमलोग आज रात दोनों समय आने की कोशिश करेंगे, और अगले रविवार को, तब यदि प्रभु ने चाहा तो.

18 अगर इस हफ्ते आपको संदेश न मिले तो आप अगले रविवार को आइये. आपको इस प्रकार दो बार बुलाना मुझे अच्छा नहीं लगता, लेकिन मुझे लगता है हमलोगों के पास कुछ ही और समय है और याद रखिए अगर समय गुजरता है, तो और काफी दिन यह शुभ अवसर हमें नहीं मिलने को. याद रखिए कुछ न कुछ होगा. या तो कानून हमें रोकेगा या शैतान आपलोगों के बीच आयेगा और आपलोगों को तितर-बितर कर देगा. ऐसा हमेशा होता आया है. देखिए कुछ न कुछ होगा, इसलिए हमलोग हर मिनट जब तक साथ हैं, उपयोग करें.

19 अब जिन लोगों को आज रात वापस घर जाना है, पिछले रविवार की रात की तरह होगा. मेरे पास एक छोटा संदेश था. और अगर आप इसे टेप पर चाहें, और आपको घर जाना है तो

हमलोग जरूर टेप भेज देंगे. अगर नहीं, तो प्रभु ने चाहा तो मैं आज की रात संदेश देने जा रहा हूँ.

20 कल या परसों मेरे पास एक नोट था, एक छोटा संदेशा जिसे मैंने बिना किताब के लिख रखा था— बहुत पहले. यह एक तरह से दो संदेश है— एक "चूनेवाली टंकी", "या हवा बोना और अन्धर काटना," महज एक सुसमाचार का संदेश. आज की सुबह बताना है. और इसलिए आज रात मैं या तो "हवा बोना और अन्धर काटना" या "चूनेवाली टंकी" के ऊपर बोलूँगा.

21 आज की सुबह मैं पवित्र वचन से पढ़ना चाहता हूँ. ठीक है? कहिए, "आमीन [मण्डली जवाब देती है, "आमीन"— सम्पादक] ठीक है. अब मैं चाहता हूँ आपलोग अपनी बाइबिल में मेरे साथ होशे की पुस्तक निकालें. होशे भविष्य वक्ता की पुस्तक के छठे अध्याय से कुछ पद पढ़ें. हमलोग खड़े हो जाएँ.

22 प्यारे परमेश्वर, हमलोग इस लायक नहीं कि इस पुस्तक को अपने हाथों ले सकें, क्योंकि हम धर्मग्रन्थ में पढ़ते हैं कि कोई भी स्वर्ग में या धरती पर या धरती के नीचे इसके योग्य न था, न समर्थ था, जो किताब को ग्रहण कर सके या उस पर दृष्टिपात कर सके. और एक आया जो वध किए हुए मेमने के समान था, उसने किताब ले ली, क्योंकि वह योग्य था, उसने उसकी मुहरें खोलीं और आज हम उसकी ओर देख रहे हैं, कि किताब में जो लिखा गया है उसका प्रसंग हमें दे, क्योंकि यह उद्धार की किताब है, जिन लोगों का उद्धार किया गया है, इसके भीतर लिखा है. ऐसा हो कि आज सुबह हम जिस समय में जी रहे हैं उसमें अपनी स्थिति का अन्दाजा हमें हो. क्योंकि हम इसे यीशु के नाम से माँगते हैं. आमीन.

"चलो हम यहोवा की ओर फिरें. क्योंकि उसी ने फाड़ा, और वही चंगा भी करेगा; उसी ने मारा, और वही हमारे घावों पर पट्टी बांधेगा. २. दो दिन के बाद वह हम को जिलाएगा; और तीसरे दिन वह हमको उठाकर खड़ा करेगा; तब हम उसके सम्मुख जीवित रहेंगे. ३. आओ, हम ज्ञान ढूँढें, वरन् यहोवा का ज्ञान प्राप्त करने के लिए यत्न भी करें; क्योंकि यहोवा का प्रकट होना भोर का-सा निश्चित है, वह वर्षा की नाईं हमारे ऊपर आएगा, वरन् बरसात के अन्त की वर्षा के समान जिससे भूमि सिंचती है.

४. हे एप्रैम, मैं तुझसे क्या करूँ? हे यहूदा, मैं तुझसे क्या करूँ? तुम्हारा स्नेह तो भोर के मेघ के समान, और सबेरे उड़ जानेवाली ओस के समान है. ५. इस कारण मैंने भविष्यद्‌ की वक्ताओं के द्वारा मानो उन पर कुल्हाड़ी चलाकर उन्हें काट डाला, और अपने वचनों से उनको घात किया, और मेरा न्याय प्रकाश के समान चमकता है. ६. क्योंकि मैं बलिदान से नहीं, स्थिर प्रेम ही से प्रसन्न होता हूँ; और होम बलियों से अधिक यह चाहता हूँ कि लोग परमेश्वर का ज्ञान रखें.

७. परन्तु उनलोगों ने आदम की नाईं वाचा को तोड़ दिया; उन्होंने वहाँ मुझसे विश्वासघात किया है. ८. गिलाद नाम गढ़ी तो अनर्थकारियों से भरी है, वह खून से भरी हुई है. ९. जैसे डाकुओं के दल किसी की घात में बैठते हैं, वैसे ही याजकों का दल सकेम के मार्ग में बध करता है, वरन् उन्होंने महापाप भी किया है.

१० इस्राएल के घराने में मैंने रोएँ खड़े होने का कारण देखा है; उसमें एप्रैम का छिनाला और इस्राएल की अशुद्धता पाई जाती है.

११. और हे यहूदा, जब मैं अपनी प्रजा को बन्धुआई से लौटा ले आऊँगा, उस समय के लिए तेरे निमित्त भी बदला ठहराया

हुआ है.

23 प्रभु यीशु इससे अपने आत्मा के द्वारा जो चाहते हैं उसका प्रसंग निकाल, जब हम और आगे तेरी ताक में रहते हैं. यीशु के नाम में. आमीन.

24 आज सुबह मेरा विषय है; "अपने दिन और उसके संदेश की पहचान" पिछले रविवार के पाठ से हम देखते हैं, जैसा हमने "तुरहियों के पर्व" [Vol. 3 No. 16 — सम्पादक] में बतलाया.... और मैं आपका ध्यान समय की ओर खींचना चाहता हूँ—ईश्वर की घड़ी में इस्राएल का समय.

25 आज हमलोग सम्डे स्कूल के पाठ का जिक्र करेंगे, मैं चाहता हूँ कि आप जिस समय में रह रहे हैं उसको महसूस करें और पहचानें. जैसा आप देखते हैं, हमारी दौड़ खत्म होने को ही है. और तब इसी से आपको समझना चाहिए, घड़ी, और समय और चिह्न और संदेश को, जो आपको मिलनेवाला है.

26 जैसा हमने पिछले रविवार को शुरू किया ... हम कहते रहे हैं कि हम तुरहियों पर, बाइबिल के अंतिम सात तुरहियों पर, प्रवचन देने जा रहे हैं. और मैंने मन-ही-मन सोचा कि वे "मुहरों" की नाईं खुल जाएँगे. लेकिन मैंने देखा है कि इनमें से प्रत्येक के खुलने पर एक बहुत बड़ी घटना घटी है. और जैसा हमने "सात कलीसियाओं के युगों" पर प्रवचन दिया . और वे बिलकुल सही रहीं, यहाँ तक की पवित्रात्मा हमारे बीच उतरा और उसे प्रमाणित किया, और उसे कागज पर उतारा, और उसे देश के कोने-कोने में फैला दिया, और उसे आकाश के चाँद में दिखाया, और हफ्तों-महीनों हमारे सामने साबित कर दिया घटना घटने के पहले, कि कैसे-कैसे होगा बिलकुल हू-ब-हू. यहाँ इस मण्डप में उसने उसे जाहिर किया.

ठीक समय पर उसे प्रकट किया. चाँद और सूरज पर उसने इसे प्रकट किया. और राष्ट्रों की स्थिति में उसे प्रकट किया, जब रोम का धर्माधिकारीवर्ग रोम से वापस पलिश्तीन गया; बहुत सम्भव है कि पतरस के बाद से (जैसा कि वे दावा करते हैं) वह पहला पोप था. कितनी आश्चर्यजनक घटना थी.

27 हम देखते हैं कि सात मुहरों को जिसने सभी भेदों को गुप्त रखा था ... मैं खुद नहीं जानता था कि कलीसिया के युगों का कौन-सा खाका खींचने जा रहा था, कभी नहीं.... ईश्वर जानता है. सिर्फ दिव्य-दर्शन से मैंने उसे चित्रित किया.... नहीं जानता था, कि छः महीने या एक साल बाद चन्द्रमा के जरिए आकाश में उसे प्रमाणित किया जाने को और देश के अखबारों में छपने को था. मैं नहीं जानता था. मैं नहीं जानता था लौदीकिया युग को दिखाने के लिए चाँद में रहस्यमय घोर अँधेरा होगा.

28 कागज पर आप सिर्फ छः युग देखते हैं. ऐसा इसलिए कि लौदीकिया की कलीसिया बिलकुल अन्धेरी हो गयी. आप इसका आत्मिक अर्थ देख रहे है? जैसा ईश्वर ने कहा आकाश में....

जब मैंने धरती पर यह कहा मैंने एक बहुत छोटी, बहुत छोटी जगह छोड़ दी, जैसा कि आप देखते हैं, ठीक बहुत थोड़ा, बहुत थोड़ा प्रकाश; ऐसा उस समय जब कि चुने हुओं को धरती पर से बुला लिया जानेवाला था, यही वजह थी मैंने सातवें युग में उसे रखा था; किन्तु जब ईश्वर ने आकाश में उसे दिखाया वह एकदम अन्धेरा हो गया. मतलब यह कि हो सकता है आखिरी व्यक्ति लौदीकिया युग से बुला लिया गया; हम नहीं जानते. इस पर एक प्रवचन हो सकता है.

29 फिर, दुबारे देखिए सात मुहरों के पहले, मैं बिलकुल नहीं जानता था कि ऐसा होगा.... यहाँ मण्डप में उसने मुझसे कहा और मुझे

ट्यूसॉन, एरीजोना, भेज दिया, आपको यह बताते हुए कि क्या-क्या होनेवाला है. और आज यहाँ एक आदमी बैठा है जिसने देखा कि जैसा कहा गया था, ठीक वैसा ही हुआ; सात देवदूत आएँगे. अखबारों ने इसे छापा, पत्र-पत्रिकाओं ने भी सारे देश में; पिरामिड के रूप में प्रकाश का रहस्यमय घेरा, ठीक वैसा जैसा मैंने यहाँ बनाया था और आपको दिखाया था, जहाँ वे देवदूत खड़े थे वहाँ से उठाकर तीस मील ऊपर ले जाया गया, सत्ताईस मील के दायरे में, या हो सकता है सत्ताईस मील ऊँचा और तीस मील के दायरे में, ठीक से याद नहीं. और सारे अमेरिका में, ट्यूसॉन एरीजोना, के ठीक ऊपर, ठीक जहाँ यह घटना हुई, ठीक उसी समय.

30 देखिये बाइबिल.... ईश्वर सिर्फ.... ऐसी बात नहीं है कि कोई आप पर कुछ थोपने की कोशिश कर रहा है, बल्कि यह जाहिर करने को इस घड़ी का आध्यात्मिक अर्थ क्या है.

31 और तब अगला संदेश ... जिसने सात मुहरों को खोला, जिसने बाइबिल के सभी छिपे हुए भेदों को खोला, सिद्धान्तों, और— और बातों को, जिनकी संसार आजकल कड़ी आलोचना करता है, और कहता है कि गलत है, यह, कि....

32 पिछले दिनों एरीजोना में टेप को एक दूसरे पर रखकर जोड़ा जा रहा था, ताकि मुझसे वे बातें कहलवाये जायें जो मैंने नहीं कहीं. जरा याद कीजिए एरीजोना की समस्या के बारे में जो दिव्य दर्शन था. बाइबिल ने कहा कि तुम्हारे लिए यह काफी अच्छा होता कि तुम्हारी गर्दन में पाट बाँध दिया जाता. और दूसरी बात "जो कोई (भले ही वह धर्मोपदेशक हो चाहे और कोई) इसमें से एक शब्द निकाले या इसमें एक शब्द जोड़े...." वचन जिस रूप में दिया गया है लोग उसपर अपना टीका देते हैं वे इससे वह बात कहलाने की कोशिश करते हैं, जो मैंने नहीं

कही, यह वचन मेरा नहीं उसका है. "जो कोई उसमें जोड़ेगा या घटाएगा....

33 और तब हमने उस दिव्य-दर्शन में पैगम्बरों को उतरते हुए देखा, जैसा मैंने, मेरा ख्याल है, कई रविवार पहले आपको बताया. वैसा ही सब होगा. मैंने कहा, "सिर्फ देखते रहिए" जब तक मैं इसके लिए संघर्ष कर रहा हूँ, ईश्वर इसके लिए संघर्ष नहीं करेगा, लेकिन हमलोग इसे ईश्वर के हवाले कर दें. वही इसकी निगरानी करता है.

34 पिछले रविवार को हमने देखा हमलोग पर्व के दिनों पर प्रवचन सुन रहे थे.... एक पर्व था पिन्तेकुस्त का. और पिन्तेकुस्त के पर्व और तुरहियों के पर्व के बीच में काफी समय का अन्तर था, पचास दिनों का. और पिन्तेकुस्त का मतलब है पचास, और पूले को हिलाए जाना और कटनी के पहले फलों को लाया जाना, और हम देखते हैं कि प्राकृतिक पहले फलों का लाया जाना, उस पवित्रात्मा के पहलौठ फलों का प्रतीक था, जो लोगों पर उड़ेला जानेवाला था और हम पाते हैं कि वे पचास दिन गैरयहूदियों को मिले जिन्हें परमेश्वर ने गैरयहूदियों के बीच से अपने नाम के निमित्त बुलाया ताकि वे उसकी प्रजा हों. यही था पिन्तेकुस्त का पर्व. और उस लम्बे अरसे तक चलनेवाले पिन्तेकुस्त पर्व के बारे में चर्चा करते रहे हैं.

35 दरअसल पचास दिन ठीक सात सब्त होंगे. और सात सब्त कलीसिया के सात युगों का प्रतीक था जो पिन्तेकुस्त के समय बुलाये जाने को थे— पिन्तेकुस्त का पर्व गैर-यहूदियों के बीच से अपने नाम के निमित्त प्रजा चुनने को. जो सात सब्त हो चुके हैं उनके अन्त में मिलाप का दिन होता था जो सात तुरहियों का

पर्व था. और ये 'सात तुरहियों' बलि अथवा मिलाप के लिए बुलावे का दिन था और तब टम पाते हैं कि इस्राएल— सात तुरहियाँ सिर्फ इस्राएल के लिए थीं.

36 और तब उसने मुझे "सात तुरहियों" पर संदेश नहीं देने दिया... मैं इसका एलान करने को तैयार था. सात तुरहियों पर संदेशा देने के लिए हॉल वगैरह था. और मैंने कहा, "कोई चीज मुझे बहुत परेशान कर रही है" मैंने कहा.... हम काम करते रहे, बिली और हम सब, सात तुरहियों के लिए आने वाले हफ्ते में इस एयर-कंडीशन्ड बिल्डिंग के लिए सब कुछ तैयार करने में, कोई आठ या दस दिन. हमलोगों ने स्कूल का सभाभवन ले रखा था. लेकिन किसी कारण से पवित्रात्मा ने मुझे संदेश नहीं देने दिया मैंने सोचा, आखिर क्यों और जब मैं दुआ करने गया मैंने अपनी पत्नी से कहा, "मैं अन्दर जा रहा हूं" और पूरे दिल से मैंने ईश्वर के सामने दुआ करने के लिए घुटने टेक दिये. और छठे मुहर के तहत फूँकी जाने वाली सात तुरहियों को उसने मुझपर जाहिर किया, और मैंने इसपर अलौकिक ढंग से प्रवचन दिया है देखिए इन सारी बातों में ईश्वर का हाथ है. यह इस्राएल से सम्बन्धित है; और हमने इसे छठी मुहर के तहत लाँट लिया, आप सब जानते हैं कि यहूदियों पर अत्याचार किया गया....

37 इस पिन्तेकुस्त के पर्व में ही गैर-यहूदियों का समय निहित है. छठे मुहर के तहत ही वे तुरहियाँ फूँकी जाती थीं और पिछले रविवार को तुरहियों के पर्व के तहत हमलोगों ने इसपर प्रवचन दिया, अगर आप सब इसे सुनना चाहते हैं [Vol 3 No. 16 सम्पादक] इसका उद्देश्य क्या था? यहूदियों को संसार के सभी भागों से अपने मुल्क में ले आना. वहाँ होना है. छठी मुहर के तहत मुहरों का खुलना.... सातवीं मुहर में सात तुरहियाँ फूँकी गयीं.

38 सातवें दूत का संदेश मुहरों के भेद को खोलता है और अंतिम घड़ी के गैर-यहूदी काम करनेवालों को उसी मेहनताने के लिए बुलाता है जो पहली घड़ी काम— करनेवालों को मिला, यह बात यशु ने बताई. उन्होंने कहा कि कुछ लोग करनी के लिए गए. वे लोग काम पर लिए गए थे, जिन लोगों ने सुबह से काम किया उनको एक पेनी दिन भर की मजदूरी मिली. और दोपहर के समय कुछ और लोग काम पर आए और कुछ लोग बिलकुल अंतिम घड़ी, उनमें से सबको एक जैसी मजदूरी मिली, जितनी पहली घड़ी में आने वाले को उतनी ही अंतिम घड़ी में आनेवाले को.

39 पिन्तेकुस्त के दिन, जैसा कि बिलकुल मुनासीब है पहले चार दूत वचन, सुसमाचार, सत्य को लेकर आये. और इसके एक अंधेर युग आया जिसने चारो ओर अन्धेरा फैला दिया. इसके बाद दोपहर के समय लूथर और वेस्ली आए इसके बाद एक सायंकालीन संदेश मिलना है. वही चीज मिलनी है जो शुरू में मिली थी. शाम के समय का संदेश वापसी का है. उसी चीज को वापस लाना है.

40 पिछले हफ्ते की दिव्य-दर्शन को याद कीजिए, जब दुलहन के पूर्व-दर्शन हुए दिव्य-दर्शन में मैंने उस छोटी, सुन्दर दुलहन को देखा. और मैं उसके बारे में सोच भी नहीं रहा था, सिर्फ बैठकर बाहर देख रहा था. और तब दुलहन प्रकट हुई, मैंने बगल से एक आवाज सुनी, "यही दुलहन के पूर्व दर्शन हैं" वह सामने आयी, मैंने उसे देखा, बहुत सुन्दर किशोरी. उसके चलने का अंदाज ऐसा था जैसा होना चाहिए, एक स्त्री जैसा कदम, बिलकुल शालीन, भद्र महिला-जैसी, इस तरह वह चल रही थी मेरी बायीं ओर, इस तरफ. और वह आँखों से ओझल हो गयी.

41 इसके बाद उसने मुझे दाहिनी ओर घुमाया और जैसे-जैसे

हर एक कलीसिया युग से निकली उसने मुझे दिखाया. ओह! कितना भद्दा! सबसे आखिरी यह अंतिम दिनों का कलीसिया-युग था जिसके आगे-आगे कुलटा वे सब बिलकुल भद्दे ढंग की पोशाक में थीं, बहुत घिनौनी लगती थीं वे सब ट्वीस्ट और रॉक एन रॉल कर रही थीं और वे औरतें खुद को ट्वीस्ट में खो चुकी थीं, उनके हाथों में सिर्फ भूरे कागज थे, पाखंडी. भूरा रंग उजले और काले रंग के बीच होता है जो धोखा देनेवाला रंग है. भूरा न तो उजला है न काला, यह छापनेवाला रंग है. भूरा लगनेवाला कागज सामने रखे हुए, जाली जैसे घाँघरे, कमर से ऊपर बिलकुल नगी. और वे उस संगीत की धुन पर नाच रही थीं. कहा, "यही वह कलीसिया है".

42 और जब वह मेरे बगल से गुजरी मेरा हृदय सन्न रह गया. मैंने सोचा, "अगर इसी को मसीह सामने दुलहन के सामने पेश किया जाना है मनुष्य की सारी कोशिशों, मिहनतों के बावजूद मसीह के लिए यही भद्दी घिनौनी बेशरम बेश्या मसीह की दुलहन के लिए. मेरा दिल बैठ गया.

43 और वह जब गुजरी .. वहाँ खड़ी हुई जहाँ हमलोग खड़े थे अपने सामने वह कागज रखी हुई थी, नाच रही थी कभी इस तरफ कभी उस तरफ, जैसा कि आजकल के नाच होते है, जाते समय खुद को भद्दे ढंग से पेश करती हुई.

44 मैं इन सब बातों के लिए जवाबदेह नहीं. मैंने जो देखा है उसे ही कहता हूँ और ईश्वर मेरा न्यायकर्त्ता है, यही, वह कलीसिया थी संयुक्त राज्य अमेरिका की.

45 जब वह बगल से गुजरी उसकी पीठ की तरफ जरा भी पर्दा न था. और जब वह करीब से गुजरी मुझे लगा मुझे गश आ

जाएगा, मैं बीमार-सा महसूस करने लगा.

46 तब उसने कहा, "दुलहन के दुबारे पूर्व-दर्शन होंगे". और दुलहन उसके पिछे-पिछे आई, ठीक वही जो शुरू में गुजरी थी. तब मेरा हृदय खुशी से उछलने लगा, यह जानकर कि एक दुलहन होगी और वह उसी चीज की बनी होगी और वही कपड़े पहने होगी जो वह शुरू-शुरू में पहनी थी. उसे बुलाया जाना है. और मैं जानता हूँ कि यह सच है. अगर नहीं तो अबतक मैंने जितने भी दिव्य-दर्शन पाये हैं सब के सब गलत हैं और हर कोई जानता है कि उसने हमें जो कुछ बतलाया उसमें से एक भी सच के सिवा कुछ न था. ठीक जैसा कहा गया, वैसा हुआ....

47 आप देख रहें हैं आज की कलीसिया, जो खुद को कलीसिया कहती है, का भद्दापन?

48 जैसा की किसी ने पिछले दिन कहा, मेरे प्यारे भाई रडेल जो इस समय वहाँ दीवार से सटकर खड़े हैं, कि उन्होंने दाखलता पर लत्तर लगे देखा और हम पिछले दिन कमरे में इस विषय पर बात कर रहे थे. और भाई रडेल समय की दशा और आज की कलीसियाओं में जो आत्मा है, किस प्रकार यह क्षीण होती जा रही है इसके बारे में चिन्तित थे जगह-जगह से सेवकगण आते हैं, साक्षात्कार में पूछते है, "क्या हो गया है भाई ब्रैनहम, हो क्या गया है?" ओह!

49 भाई रडेल ने मुझसे सवाल किया, "क्या लोग शैतान की आत्मा से जी रहे हैं, न क्या"?

50 मैंने कहा, "नहीं लत्तर दाखलता की ताकत से जीता है. जीता है, क्योंकि खट्टा फल.... नीबू का पेड़ नारंगी के पेड़ पर

फलेगा, लेकिन नारंगी नहीं, हालांकि वह नारंगी के बदौलत जीता है. और तथाकथित कलीसिया एक कलमी लत्तर है जो धर्म के नाम पर, कलीसिया के नाम पर (काथलिक और प्रोटेस्टेन्ट) जीती है वे लत्तर हैं जो दाखलता से शक्ति ग्रहण करती है, फिर भी वे अपना ही फल देती है, क्योंकि उन्हें बदला नहीं गया. वे ईश्वर की मूल, पूर्व-निश्चित योजना में नहीं थे. यही कारण है कि उन्हें वचन को अस्वीकार करना पड़ता है. और दूसरे प्रकार का फल देना पड़ता है. असली पेड़ और उसकी जड़ के लिए पहले से ही निश्चित किया हुआ है कि वह नारंगी के पेड़ पर नारंगी का फल देगा. यीशु ने कहा, "मैं दाखलता हूँ, तुम डालियाँ हो."

51 और अगर उस पेड़ में से कोई डाली निकलती है तो वह अपना असली फल देगी. और दाखलता के अन्त में इन सब चीजों का पुनः-स्थापन होना ही है. एक पुनः-स्थापन होना है, शाम के वक्त का प्रकाश होना है जिसे सब कुछ को दुरूस्त करना है. लेकिन वह दाखलता से निकलेगा, इसमें रोपे गए सम्प्रदाय से नहीं, बल्कि वचन के मौलिक उत्पादन से. यह शाम के समय में होने को है. शाम के समय प्रकाश होगा. पकने के लिए प्रकाश की जरूरत होती है.

52 देखिए, धर्मग्रन्थ कितना सिद्ध है, "एक दिन जिसे न दिन न रात कहा जाएगा" फल नहीं पक सकता जब तक की सूरज ही न पकाए. चाहे आप कितना भी उपदेश क्यों न दें, चाहे आप जो कुछ करें यह नहीं पकेगा, यह प्रकट नहीं होगा, यह सिद्ध नहीं होगा— होगा तो सिर्फ उसी के द्वारा जिसने कहा, 'मैं संसार का प्रकाश हूँ, वचन हूँ." इसलिए एक शक्ति को आना है, स्वय पवित्रात्मा का, जो पकाएगा, प्रमाणित करेगा और दिखाएगा जो उसने पहले से कह रखा है कि आज के दिन में क्या होगा. शाम का प्रकाश ही

यह उत्पन्न कर सकता है. क्या ही समय है.

53 दुलहन उसी स्थिति में गुजरी जिसमें वह शुरू-शुरू में थी लेकिन मैं उसको विपथ होते देख रहा था और उसे खींचकर वापस लाने की कोशिश कर रहा था. जिन दिनों में हम जी रहें हैं, उसके बारे में बहुत कुछ कहा जा सकता है.

54 होशे ने ६:१ में कहा, "प्रभु के पास वापस लौटो." याद कीजिए, उसने कहा कि वे तितर-बितर हो जायेंगे, और वे तितर-बितर हो गये. उसने कहा कि तितर-बितर होने के बाद वे प्रभु के पास वापस आयेंगे और वह उनके घाव भरेगा. गौर कीजिए. लौटो.... तितर-बितर हो जाओ.... दूसरा ... वे फट-चिट गए और अंधे हो गए. ठीक यही हुआ. "वह हमें चंगा करेगा और हमारे मरहम-पट्टी करेगा यहेजकेल 37 के जैसा, सूखी हड्डियाँ, सूखी हड्डियों से भरी घाटी. यहेजकेल ने देखा वे फिर लौटेंगे. ध्यान दीजिए, होशे ने कहा "दो दिनों बाद.... (दो दिनों बाद वह उनके पास लौटेगा) वह हमें ग्रहण करेगा, हमें पुनर्जीवन देगा." पुनर्जीवन का मतलब पुनरुत्थान से नहीं हैं. मैंने देखा है पुनर्जीवन वही शब्द है जो और जगह पुनरुद्धार के लिए व्यवहार में आया है. "दो दिनों के बाद वह हमें पुनर्जीवित करेगा. यानी तीसरे दिन. "तितर-बितर करने के बाद, अंधा करने के बाद, खण्ड-खण्ड करने के बाद वह फिर हमें ग्रहण करेगा."

55 आपको मालूम है यहूदी लोग इसीलिए अन्धे किए गए ताकि हमें दृष्टि मिले. उन्हें खण्ड-खण्ड किया गया और तहस नहस किया गया एक राष्ट्र के रूप में, और उनलोगों ने अपनी मसीहा को अस्वीकार किया ताकि हमें मसीहा मिल सके, ताकि गैर-यहूदियों के बीच से वह अपने नाम के निमित्त लोगों को बुला सके.

56 आदमी आता है और स्त्री उसका नाम ग्रहण करती है. यह अन्धे गैर-यहूदी जो उस नाम, प्रभु यीशु मशीह को बपतिस्मे में नहीं देख सकते बात तो बहुत बुरी है मगर होना ऐसा ही है यहूदियों का अन्धापन होना हीं था. सिर्फ एक ही देख सकता है, वही जो पहले से ही ठहराया गया है कि देखे वरना आप नहीं देख सकते. यहूदी नहीं देख सकते कि वह उनका मसीहा था, हालांकि वे विद्वान और धर्मशास्त्री थे, प्रसिद्ध विद्वान, उनलोगों ने वही बाइबिल पढ़ी जो आप पढ़ते हैं अब, जब हमलोगों पर यह जाहिर कर दिया गया है, हम साफ-साफ देख सकते हैं कि वह उनका मसीहा था मगर वे नहीं देख सकते थे और न वे आज ही देख पाते हैं. उनके बारे में भविष्यवाणी है कि वे अन्धे होंगे.

57 आज की कलीसिया के अन्धे होने की भविष्यवाणी है, शाम के समय के संदेश को अस्वीकार करने की भविष्यवाणी है; "प्रकाशित वाक्य" ३ में लिखा है, "तू अभागा, तुच्छ ..." पिछली रात हमने दुलहन, य नी कलीसिया की हालत देखी; नंगी, अन्धी, और जानती नहीं. प्रभु यीशु हम पर दया कर! बाइबिल ने कहा कि वह नंगी थी. इससे पहले मैंने उसे कभी नहीं देखा था लौदीकिया की कलीसिया नंगी थी. और पिछली रात जब वह प्रकट हुई, वह नंगी थी उसे अपना नंगापन खुद नजर नहीं आया) और वह जानती भी नहीं थी!

58 ओह, कितने धन्यवादित, कितने ... कोई ताज्जुब नहीं हम बहुत धन्यवादित हैं. मुझे लगता है ईश्वर हमलोगों पर जितनी बातें प्रकट कर रहा है उसके लिए हम उतने धन्यवादित नहीं जितना होना चाहिए.

59 नंगी और दिव्य-दर्शन ने मुझे दिखाया कि वह नंगी थी

और वह नहीं जानती थी. अंधी जिस प्रकार इस्राएल अंधी की गई थी, ताकि गैर यहूदी प्रवेश पा सके, और अब गैर यहूदी में अन्धापन है ताकि दुलहन ले जायी जा सके और इस्राएल को तुरहियों का पर्व मिल सके. बिलकुल ठीक.

60 "दो दिनों बाद वह हमें जिलाएगा (यानी हमें पुनर्जीवन देगा), हमें जमा करेगा (इन तुरहियों पर अब यहूदियों के बारे में कह रहा हूँ.) और वह— हमलोग उसकी नजरों में जियेंगे (यानी अनन्त जीवन पायेंगे) हमलोग उसकी दृष्टि में होंगे" बाइबिल ने होशे में कहा, "हम उसकी दृष्टि में जियेंगे— उसकी दृष्टि में हमें जीवन मिलेगा (यानी उसका स्वयं का जीवन, अनंत जीवन), हमें उसकी दृष्टि में जीवन मिलेगा."

जो ऐश-आराम में जीती है, जीते.... जी मरी हुई है. इसलिए हम वादा करते हैं कि उसकी दृष्टि में इस्राएल को फिर से जीवन मिलेगा. तथ्यों एवं पिन्तेकुस्त पर्व के प्रति वह मृत रही है.

61 अब ठीक से ध्यान दीजिए. तब दो दिनों बाद.... इसका मतलब चौबीस घंटों वाला दो दिन नहीं, क्योंकि ऐसा कई सौ साल पहले हुआ इसका मतलब हुआ. प्रभु के साथ दो दिन— दो हजार वर्ष बाद. आप जानते हैं कि तब से अब तक कितना समय हुआ? तब से 2700 साल हुए क्योंकि होशे ने इसे 780 ई० पू० में कहा— और यह 1964 है. 2700 साल से भी ज्यादा हुए. उसने कहा "दो दिनों बाद, तीसरे दिन वह हमें पुनर्जीवित करेगा और अपनी दृष्टि में हमें जीवन देगा." यही है आपकी तुरहियाँ. यही है वह घड़ी जिसमें हम जी रहे हैं, वह दिन जिसमें हम जी रहें हैं.

62 वे तितर-बितर रहे हैं, अंधे रहे हैं, उन्हें एकत्र किया गया है

और, वे तीसरे दिन में प्रवेश कर चुके हैं. देख रहे हैं? उन्हें पलस्तीन से संसार भर में. उन्हें अन्धा कर दिया गया कि वे मसीहा को स्वीकार न करें. और अब उन्हें स्वदेश में एकत्र किया गया है उन्हें तुरहियों के लिए तैयार किया गया है कि वे अपने प्रायश्चित्त को पहचान सकें. जैसा बाइबिल ने कहा, जब वे उसे ग्रहण करेंगे और वे जब उसे कील के दाग के साथ देखेंगे (कलीसिया के उठा लिये जाने के बाद), और तब वे कहेंगे, "आपको वे दाग कहाँ लगे?" उसने कहा, "मेरे दोस्तों के घर." और उसने कहा वे हर परिवार अलग-अलग होकर रोएँगे, और चीत्कार करेंगे, कई दिनों तक जैसे कोई परिवार इकलौते बेटे के मरने पर करता है. और याद रखिये तुरहियों के पर्व में यही होना था— रोना, वध किये हुए बलिदान के लिए शोक मनाना; और उनलोगों ने उसे अस्वीकार किया था.

63 वे अपने देश में हैं. उन्हें तितर-बितर कर दिया गया था, अंधा कर दिया गया था— अब उन्हें एकत्र किया गया है. और छठी मुहर के मातहत उनकी सातों तुरहियाँ उन्हें जमा करने के लिए बजीं. छठी तुरही ... सातवीं वह बड़ी तुरही है (जैसा हमने पिछले रविवार को देखा. छठे मुहर मातहत छः तुरहियाँ बजीं, ठीक वैसे जैसे हमारी छठी मुहर का खुलना हुआ सबकुछ एक ही समय; सिर्फ उनकी सभी तुरहियाँ एक साथ बजीं जबकि हम दो हजार वर्ष पिन्तेकुस्त के पर्व में रहे.

64 उस समय से 2,700 साल.... उसने कहा, "तीसरे दिन हमसब फिर एकत्र होंगे. दो दिनों बाद, तीसरे दिन हमसब फिर एकत्र होंगे और उसकी दृष्टि में जीवन पायेंगे." क्या आप उस प्रतिज्ञा को देखते हैं? दीवार पर वह घड़ी साफ साफ लिखी है. हम देखते हैं हम कहाँ पर रह रहे हैं.

65 इस समय तुरहियों के पर्व की प्रतीक्षा में अपने देश में हैं, यानी प्रायश्चित्त की पहचान करने में, उसे आने की प्रतीक्षा में, पहली बार जो अस्वीकार किया उसके लिए शोक मनाने को; वे अपने देश में हैं, प्रतीक्षा करते हुए जहाँ सब.... हर कुछ अपनी जगह पर ठीक-ठाक है.

66 सुसमाचार के सेवक के रूप में, में मुझे लगता है कुछ बाकी न रहा, सिवा दुलहन के जाने के. और इसके पहले कि वे जान सकें कि क्या कुछ हुआः दुलहन को चला जाना है. वे विवश थे, तितर-बितर थे— मेरा मतलब है वे तितर-बितर थे, और उन्हें अब एकत्र किया गया है. बाकी क्या बचा? दुलहन को यहाँ से ले जाना दुलहन के चले जाने की प्रतीक्षा है, ताकि प्रकाशितवाक्य 11 के उनके पैगम्बर उन्हें तुरहियों के भोज में बुलाए ताकि वे जानें कि उन्होंने क्या किया है.

67 याद रखिए उन मुहरों के ठीक बीच छठी मुहर निकली, और 1,44,000 को बुलाया गया और चुना गया. छठी और सातवीं तुरही के बीच प्रकाशित वाक्य 11 प्रकट होता है, छठी मुहर के ठीक अनुकूल.

68 क्या करने को? इसे क्या करना था? इसे दो गवाहों पैगम्बरों को बुलाना था, मूसा और एलियस जिनको ही यहूदी लोग अपना पैगम्बर मानते हैं. वे पैगम्बर के चिह्न के साथ आयेंगे, और उनका काम पैगम्बर का होगा, क्योंकि उन्होंने ऐसा ही किया था, किसी चीज को दिखाया, वह मनुष्य जब आज मरते हैं— जब आप इस संसार को छोड़ देते हैं आपका स्वभाव नहीं बदलता. अगर इस समय झूठे हैं, तो वहाँ भी झूठे रहेंगे. अगर यहां आप गुस्सैल हैं, तो वहाँ भी गुस्सैल रहेंगे. अगर यहाँ आप शक्की हैं तो वहाँ

भी शक्की रहेंगे.

69 भाइयो और बहनो, समय आ चुका है कि हम अपने आलस्य को छोड़ें और खुद को परखें, और देखें कि हम कहाँ खड़े है! क्योंकि मृत्यु इसे बदलती नहीं. उनके गये 2,000 वर्ष हो चुके हैं; मूसा के लगभग 2,500 वर्ष, एलिय्याह के गये भी कोई 2,500 वर्ष और वे जब लौटते हैं तो उसी स्वभाव के साथ और वही काम करते हैं. मौत और कुछ नहीं करती सिर्फ उसके वास-स्थान को बदल देती है, वह आपके स्वभाव को नहीं बदलती, आपके विश्वास को नहीं बदलती, आपके वास-स्थान को छोड़कर कुछ भी नहीं बदलती.

70 इसलिए आज सुबह आपका स्वभाव जैसा है.... अगर आप परमेश्वर के वचन के प्रति शक्की हैं, तो वहाँ भी आप शक्की रहेंगे. इससे कोई फर्क नहीं पड़ता आप कितने पवित्र हैं, आप किस प्रकार जीवन-यापन करते हैं और आपका जीवन कितना उत्तम है, मरने के बाद आप में कुछ भी परिवर्त्तन नहीं होगा, सिवा आपके निवास-स्थान के. और अगर आप परमेश्वर के सम्पूर्ण वचन को, जैसा लिखा है उस रूप में ग्रहण नहीं करते तो आप वहाँ भी ग्रहण नहीं करेंगे; इसलिए चिंता मत कीजिए, आप वहाँ होंगे ही नहीं. आपको इसे पूरा-पूरा ग्रहण करना है इसके समर्थन और प्रकाशन की सम्पूर्ण शक्ति में; तब आप उसके अङ्ग हो जाते हैं वह सिर्फ अपने वचन को जाग्रत करेगा, जिस प्रकार उसने पहले ईस्टर की सुबह को अपने वचन को जाग्रत किया सिर्फ उसका वचन निकला और जो उसके वचन में मरे थे, उसके वचन में विश्वास करते हुए, उसने अपने वचन को सिद्ध किया.

71 देखिए. 2,700 साल बीत चुके. वे तितर-बितर हुए, वे अन्धे हुए, और वे अब एकत्र हुए. और अगली बात जो होने को है

वह यह कि वे जीवन पायेंगे.

72 गैर-यहूदियों को बुला लिया गया है. दुलहन तैयार है. हर्षातिरेक निकट है. क्या हम उसे महसूस कर सकते है? क्या हम सचमुच इस पर विश्वास कर सकते है? क्या यह महज एक कहानी है, जो सुनाई गई है? क्या यह हमलोगों के लिए एक गप है? क्या यह एक ऐसी चीज है जो सच्ची लगती है? क्या यह ऐसी चीज है जो हम बाहरवाले विश्वास कर सकते हैं? या क्या यह ऐसी चीज है जो हमारे भीतर है, जो हमारा एक अंश है, जो हमारे लिए जीवन से भी बढ़कर है? आज सुबह इस मण्डप के लोग इसके प्रति कौन-सा रूख अपनाते हैं? याद रहे एक छोटा झुण्ड ही उसे ग्रहण करेगा.

73 वे अपने वतन में हैं और तुरहियों की प्रतीक्षा कर रहे हैं. दुलहन के जाने का इन्तजार कर रहे है. ताकि प्रकाशित वाक्य 11 पूरा हो सके. कलीसिया का युग खत्म हो चुका है. मुहरें खोली जा चुकी हैं, जो प्रमाणित करती है की कलीसिया के युग में उनलोगों ने क्या कुछ छोड़ दिया था. और संदेश दिया जा चुका है. इस्राएल का दृश्य सामने है (हल्लिलूय्याह!), तुरहियों के त्योहार के लिए तैयार.

74 ओह, दूसरे देशों के लोगो, जहाँ आप इस टेप को सुनेंगे क्या आप जाग नहीं सकते, मेरे भाई? या इसने आपको अंधा कर रखा है? क्या आप इसे यूँ ही झूठी भविष्यवाणी कहकर अस्वीकार करेंगे, जबकि आपके सामने संसार ने इसे प्रमाणित कर दिया है, समय के द्वारा, लोगों के द्वारा और उस पवित्रात्मा के द्वारा जिसने उसे लिखा इसे प्रकृति के जरिये, आत्मा के जरिये और भौतिक रूप से प्रमाणित किया जा चुका है. उसने जो कुछ भी कहा पूरा हो चुका, सिद्ध हो चुका.

75 इस्राएल अपने देश में है; उसे वहाँ खदेड़ डाला गया, भेड़ की तरह उसे वहाँ एकत्र किया गया है. भेड़ियों ने उनका पीछा किया और उन्हें खदेड़कर हिफाजत की जगह अपने देश में पहुँचा दिया. इस्राएल को जो वादा किया गया था कि वह तभी तक आशीषित रहेगा जब तक वह अपने देश में रहेगा. अपने देश के बाहर परमेश्वर इस्राएल को कभी आशिष नहीं देता. इब्राहीम देश के बाहर चला गया और उसे निकम्मा ठहराया गया. हर कोई जो उस देश को छोड़ता है निकम्मा ठहराया जाता है. परमेश्वर इस्राएल को तभी आशिष दे सकता है जब वह अपने देश में रहता है. और अब वह एक राष्ट्र के रूप में वहाँ है. और कलीसिया को बुलाया गया है. वह इन्तजार कर रही है दुलहन को ले जाये जाने के हर्षोन्माद की.

76 मुहरें खुली हैं. यह हमलोगों पर प्रकाशित किया गया है. हम देखते है कि उनलोगों ने कौन-सी चीज छोड़ दी. आप में से जो सर्पसंतति और पानी के बपतिस्मे और तरह-तरह की चीजों पर बहस करना चाहते हैं, बात का बतंगर बनाना चाहते हैं. अंधे हैं और यह नहीं जानते इस संसार के मालिक ने आपको इसके प्रति अंधा कर रखा है और आप इसे नहीं जानते (कोई आश्चर्य नहीं, आज सुबह इन सबसे निबटने में मुझे ढ़ेर-सारी परेशानियाँ हुईं.)

77 इसलिए उनके पैगम्बर इन अंतिम दिनों में प्रकट होंगे. जब तक की तुरहियों का त्योहार नहीं हो जाता तब तक तुरहियों का प्रकरण खत्म नहीं होता.

78 होशे के जरिये उन्होंने कहा, "मैंने इसे चीरा है.... (देखिए वह इस्राएल से बात कर रहा है.... मैंने चीरा है....). दूसरे शब्दों में मैंने चीरा है— पैगम्बरों के जरिये उन्हें चीरा है" इसी तरह परमेश्वर अपने लोगों को चीरता है. उसने उनलोगों को बाकी

राष्ट्रों से चीरा. किसके द्वारा? अपनी दुधारी तलवार, अपने वचन द्वारा. वह उन्हें चीरता है, अपने राष्ट्र को अन्य राष्ट्रों से. उसने पैगम्बरों के द्वारा अपने राष्ट्र की अन्य राष्ट्रों से अलग किया, अपने सिद्ध वचन के द्वारा इसी तरह इस अंतिम दिन में मलाकी 4 में किये गये वादे, अपने वचन के अनुसार उसने अपने दुलहन को सम्प्रदायों से अलग किया. अपनी दुलहन को अलग किया बाकी कलीसियाओं से उसे काटकर अलग किया, अपनी दुलहन को.

79 उसने अपने पैगम्बरों को काटकर अलग किया— अपने वचन के द्वारा, अपने पैगम्बरों के द्वारा, इस्राएल को अलग किया. "बाकी लोगों से अपने को अलग करो"

देखिए.... जब उनलोगों ने और लोगों की तरह करना चाहा, वे शमूएल पैगम्बर के पास आए. उसने कहा, "क्या मैंने कभी तुमसे रूपया-पैसा लिया? क्या कभी मैंने प्रभु के नाम से तुम्हें कोई ऐसी बात कही जो सच्ची न निकली?"

उनलोगों ने कहा, "नहीं, यह तो ठीक है लेकिन तो भी हमलोग एक राजा चाहते हैं."

80 इसी तरह कलीसियाओं ने भी किया है. "ओह, हमलोग वचन की प्रतीति करते हैं. यह बिलकुल ठीक है; लेकिन आप जानते हैं वे लोग कहते हैं. हमें यह करना चाहिए." वे क्या कहते हैं मैं इसकी परवाह नहीं करता, वचन सही है.

[अब] प्रतीक्षा है. उसने उन्हें पैगम्बरों के जरिये काटकर अलग किया है.

81 भाई मेरे, यह कौन-सा वक्त है? यह कौन-सा वक्त पादरी

साहब? क्या आप देख रहे हैं यह दिन का कौन-सा समय है और आप किस चमत्कार के मातहत जी रहे हैं? क्या आप इसे समझ सकते हैं? क्या आप देखते हैं?

82 कहीं भी इस समय कोई भी पुनर्जागरण नहीं. हर कोई शिकायत कर रहा है, पादरी लोग चीख-चिल्ला रहे हैं. मैं एक बहुत नामी पेपर पढ़ रहा था, जो इस कलीसिया में आता है. मैं सम्पादक को जानता हूँ, और मैं उनलोगों को जानता हूँ वे बड़े भक्त लोग हैं, बहुत भले "हेराल्ड ऑव हिज कमिंड." वाले भाई और बहन मूर. इस क्षेत्र के सबसे अच्छी पत्रिकाओं में आता है, "हेराल्ड ऑव हिज कमिंड." लेकिन वे शायद ही कोई और बात छापेंगे, सिवा "उपवास करो, प्रार्थना करो, प्रार्थना करो! तुरही बजाओ!...." कितने लोग उसे पढ़ते है?" आपको मालूम है, आप हर समय देखते हैं. "उपवास करो, प्रार्थना करो, उपवास करो, प्रार्थना करो!" आप इतना ही सुनते हैं. "उपवास करो, प्रार्थना करो! एक बहुत बड़ा प्रभात होने को है! एक बड़ी बात होने जा रही है. आप सब के सब प्रार्थना कीजिए, प्रार्थना कीजिए, प्रार्थना कीजिए! अभी समय हाथ से नहीं निकला है!"

83 वे लोग ऐसा क्यों करते हैं? वे लोग ऐसा क्यों करते हैं? वे एक बड़ा जागरण चाहते हैं. लोग शोर-गुल मचा रहे हैं, यह विश्वास करते हुए कि जागरण होगा. वे भले लोग हैं. ऐसा क्यों होता है? उनलोगों ने क्या किया है? उन लोगों ने दुलहन के जागरण को नहीं पहचाना है. समझे? मसीही होने के नाते वे वक्त के खिंचाव को महसूस करते हैं, कगर उन्होंने नहीं पहचाना है कि क्या कुछ? किया जा चुका है. यही कारण है कि वे ऐसा महसूस करते हैं. वे जागते हैं कि कुछ होना है; मगर देखिए वे सोच रहे हैं कि यह बहुत बाद में चलकर होगा, जबकि यह आपके सामने

ही हो चुका.

84 यह वही बात है जो उन्होंने पुराने समय में किया. वे लोग आनेवाले मसीह में विश्वास करते थे. वे विश्वास करते थे कि एक अग्रदूत आएगा. लेकिन ये दोनों ठीक उनके सामने थे और उन्होंने नहीं जाना. उन्होंने नहीं पहचाना. उनका विश्वास था कि एक अग्रदूत आएगा जो मसीहा के पहले उपस्थित होगा. और उनलोगों ने उसकी गर्दन काट दी और अपने मसीह को मार डाला, क्योंकि यह भविष्यवाणी की गई थी कि वे अंधे किये जाएँगे, होशे ने ऐसा कहा था.

85 और जिस आत्मा ने होशे से कहा था वह यूहन्ना के जरिये बोला, और कहा कि इन अन्तिम दिनों में कलीसिया नंगी और अंधी होगी और उसे कलीसिया के बाहर कर देगी. वे उन भविष्यवाणियों को पूरी होते नहीं देख सके. लेकिन वहाँ होकर ये महसूस करते हैं कि कुछ न कुछ घटित होना है. वे यह नहीं जान पाते, वे यह महसूस नहीं करते. पुराने जमाने के यहूदियों की तरह अन्धी लौदीकिया— धन-दौलत, धर्मशास्त्र, कलीसिया के प्रति विरोध, संदेश के प्रति विरोध. देखिये वे यहूदी लोग यूहन्ना के प्रति कितने शत्रुतापूर्ण थे. देखिए वे यीशु का कितना विरोध करते थे, जबकि वह वही था जिसके इन्तजार करने का वे दावा करते थे. [ब्रैनहम टैबरनैक्ल में बिजली का फ्यूज उड़ जाता है— सम्पादक.] मेरा ख्याल है फ्यूज उड़ गया. इससे टेपरेकार्डर भी बन्द हो गये, क्यों? नहीं हुआ अच्छी बात है.

वे लोग संदेश के विरोधी थे....

86 होता यह है कि— जितना जोर.... आप में से हर एक ताप की इकाई है आज के समय में कलीसिया को बिलकुल संयत रखने

का कोई उपाए नहीं, क्योंकि आप देखते हैं कि सामान्यतः आप में से प्रत्येक 98 ब्रिटिश थर्मल यूनिट [यानी ताप की इकाई] है. और आप यों ही बठे नहीं हैं; आप में से हर समय ताप निकल रहा है. यहाँ पर इतनी ज्यादा हवा है कि इस जगह को बर्फ बना दे, लेकिन आप में से निकलनेवाला ताप— आप इसे नहीं कर सकते.

87 देखिए. विरोधी, लेकिन पुराने जमाने के यहूदियों की तरह अन्धे; वे लौदीकिया में हैं. वे नंगे हैं, तुच्छ हैं, कंगाल हैं, और नहीं जानते. धन-दौलत, धर्मशास्त्र की बड़ी-बड़ी शिक्षाओं, ज्ञान-विज्ञान का दिन है, और अब वे संदेश के विरोधी हो गए हैं. वे इससे कोई सरोकार नहीं रखना चाहते, ठीक वैसे ही जैसे यीशु नासरी के दिनों में.

88 नूह के दिनों में लोग जहाज में नहीं गए इसकी वजह यह थी कि उनलोगों ने न तो संदेश को पहचाना, न संदेशवाहक को. यही एक कारण है कि उनका सत्यानाश हुआ, क्योंकि उनलोगों ने उस घड़ी को नहीं पहचाना जिसमें वे जी रहे थे उनलोगों ने नहीं पहचाना कि परमेश्वर आपके साथ वही करेगा जो करने की उसने प्रतिज्ञा की थी. वह धरती पर से मनुष्य का नाश कर देगा. उसने इसकी भविष्यवाणी की थी. वह यही करना चाहता था. और जैसा उसने उन दिनों किया वैसा ही वह आज भी करना चाहता है.

89 लेकिन लोग नूह की तरफदारी के बदले लोग उसे सनकी समझते थे. वे उसे पैगम्बर नहीं मानते थे. आप जानते हैं यीशु ने स्वयं हमलोगों से कहा कि नूह के दिनों में लोग कैसे उसकी हँसी उड़ाते थे, उसे ताना देते थे, हठधर्मी कहते थे, और न जाने क्या-क्या. लेकिन उनलोगों ने अपनी घड़ी को नहीं पहचाना. उन

लोगों ने दिन को नहीं पहचाना. उनलोगों ने संकेत को नहीं पहचाना, उनलोगों ने संदेश को नहीं पहचाना, दूत को नहीं पहचाना, बल्कि उसे अपने बीच से निकाल दिया और उसका उपहास किया. यीशु ने कहा, "जैसा नूह के दिनों में था...."

90 इस्राएल अपने देश में है और सब कुछ तैयार है, और संदेश भी दिया जा रहा है, भाइयो, हमलोग किस दिन में जी रहे हैं? हमलोग कहाँ पर हैं?

91 उनलोगों ने अपने दिन को नहीं. वे नहीं जाना जानते थे. यही वजह है कि वे लोग चूक गए, क्योंकि वे लोग पहचान न कर पाए वे बहुत कुछ आजके लोगों की तरह थे, वैज्ञानिक प्रमाणों ने उन्हें अंधा कर दिया था, शिक्षा की पद्धतियों ने उन्हें अंधा कर दिया था, धर्मशास्त्र की सेमिनरियों ने उन्हें अन्धा कर दिया था. और जिन चीजों ने उन दिनों लोगों को अंधा कर दिया था, आज भी ऐसा ही किया है. उन्हें दुबारा अन्धा कर दिया है. साथ हीं सादगी— संदेश और संदेशवाहक की सादगी ने भी.

92 नूह वैज्ञानिक नहीं था. वह शिक्षित व्यक्ति नहीं था. वह बेचारा एक नम्र किसान था. जिसके पास एक सीधा-सादा संदेश था. उनकी महान् विद्वत्ता के सामने यह बहुत साधारण था. आज भी ऐसा ही है. लोग विश्वास करें और भरोसा करें इसके लिए परमेश्वर हमेशा इसे सीधा-सादा, रखता है. यह संदेश भिन्न है, लेकिन परमेश्वर वही है और मैं चाहता हूँ कि आप इस पर विश्वास करें और समझें कि परमेश्वर ने यह कहा है.

95 यीशु ने कहा कि लोगों ने पैगम्बर नूह की हँसी उड़ाई और जिस प्रकार उन लोगों ने उस समय किया, वैसे ही फिर वे उसके आने के समय करेंगे. वे वही काम करेंगे. यही कारण है कि फिरौन

समुद्र में डूब गया. उसने अपने दिन को नहीं पहचाना उसने कभी नहीं पहचाना कि क्या हो रहा है. वह अपने वैज्ञानिक युग की उपलब्धियों में खोया था. गुलामों की मेहनत से कई शहर बनवा रहा था. वह इतना व्यस्त था, कि अपने शुभ अवसर को नहीं पहचान सकता था, और उसने परमेश्वर के दूत को बाहर बियाबान में भेज दिया. उसने नहीं पहचाना; यही कारण है कि ऐसा हुआ. उसने कभी नहीं पहचाना. अगर उसने लोगों को दिये गये परमेश्वर के प्रतिज्ञात वचन को पहचाना होता.

94 और अगर कलीसियायें आज पहचानें, अगर कलीसियायें आज सिर्फ परमेश्वर के उस वचन को पहचानें जिसने इस घड़ी के लिए लोगों से वादा किया, तो वे नाश नहीं होंगे! अगर अमेरिका उस संविधान को माने जो उसने तैयार किया था तो वह स्कूलों से बाइबिलों को निकालने के लिए तैयार नहीं होगा, सिक्कों से परमेश्वर का नाम नहीं हटाएगा और परमेश्वर के प्रति निष्ठा का वचन लेगा, लेकिन उसने इसे नहीं पहचाना. क्यों? वह अन्धी और नंगी है वह उन बेशकीमती नौजवानों के खून को नहीं जानती जो नौजवान इस सुविधा के लिए मैदान में मरे. वे भूले जा चुके हैं; वे धूल हो गए हैं.

95 लेकिन एक है जो पैगम्बरों के बहाऐ हुए खून को याद करता है, वह उस कीमत को याद करता है जो इस सुसमाचार को हमारे पास पहुँचाने के लिए चुकानी पड़ी, किस प्रकार सैंकड़ों लोग शेरों के द्वारा मार डाले गए, उन्हें किस प्रकार माँद में फेंक दिया गया, आरी से बीचो-बीच चीर दिया गया, जला दिया गया, क्रूस पर ठोंक दिया गया— परमेश्वर इसे पहचानता है. कलीसिया अपने पैगम्बरों को भूल चुकी है; उन्हें उनकी अब जरूरत नहीं है; ऐसा उनका दावा है. लेकिन परमेश्वर जानता है कि उसे उनकी जरूरत है,

वह अपने लोगों को अपने वचन के द्वारा काटता है. लेकिन आज के दिनों में यह पुरानी बात हो गयी है. वे इसे नहीं पहचानते. यही वजह है कि वे इस दशा में हैं. यही वजह है कि वे नंगे, अभागे अन्धे, कंगाल हैं, और यह नहीं जानते, क्योंकि वे उस घड़ी को नहीं पहचानते जिसमें हम रह रहे हैं. वे इसे देखते नहीं.

96 मूसा ने अपने दिन और अपने बुलावे को पहचाना जब उसने परमेश्वर के वचन की प्रतिज्ञा को देखा जो उस दिन के लिए थी और जिसे प्रमाणित किया गया था. तब उसने जाना और समझा कि वह कौन था और प्रतिज्ञात वचन के द्वारा उसे क्या करना था. इसलिए उसे यह डर नहीं था कि कोई क्या कहेगा. वह अपने संदेश के लिए लज्जित नहीं था, हालाँकि हर पुरोहित, फिरौन और बाकी सभी अधिकारीवर्ग उससे असहमत थे. लेकिन जब उसने उस प्रकाश यानी अग्नि स्तभ को देखा जो झाड़ी में था तो उसे पहचान लिया, और उस प्रकाश ने उससे वह वचन कहा जो उस दिन के लिए प्रतिज्ञात था और कहा 'मैंने तुझे बुलाया है कि जाओ और ऐसा करो." उसे राजा की धमकियों का भय न था वह लोगों को निकालने के लिए गया जिसकी प्रतिज्ञा परमेश्वर के वचन में की गई थी.

97 जब उसने देखा कि प्रतिज्ञा प्रमाणित हो चुकी है तो उसने लोगों को निकलने के लिए तैयार किया. कब? जब उसने परमेश्वर की प्रतिज्ञा को प्रमाणित हुआ देखा. याद कीजिए, वह अपने धर्मशास्त्र में लगा रहा, अपने प्रशिक्षण में लगा रहा. लेकिन जब उसने परमेश्वर के वचन को प्रत्यक्ष देखा, जब उसने "मैं हूँ जो हूँ" को सिद्ध किया देखा तब उसने यह परवाह नहीं कि किसने क्या कहा. उसे यह डर न था कि फिरौन उसका क्या कर लेगा. उसे यह डर न था कि बाकी लोग क्या करेंगे. वह तो सिर्फ परमेश्वर

से डरता था ताकि वह परमेश्वर को गलत न समझे, किसी तरह. उसे लोगों का भय न था कि वे क्या कहेंगे और क्या करेंगे. उसे सिर्फ परमेश्वर का भय था— जब उसने पहचान लिया कि यह परमेश्वर का वचन था.

98 वह नहीं समझ पाया कि कैसे उसके जैसे आदमी को वहाँ भेजा जाएगा. लेकिन जब उसने प्रमाणित वचन के द्वारा पहचाना, तब उसे राजा की आज्ञाओं का भय न था. अगर आप इसे पहचानें. काश, हम आज पहचान पाते! मूसा ने जब वचन को प्रमाणित हुआ देखा तो उसने पहचान लिया.... वह लोगों के निकाले जाने के लिए तैयार था.

अय्यूब ने कभी नहीं पहचाना कि यह परमेश्वर था. जब तक शैतान कर सकता है— वह आपको विश्वास दिलाता है कि ये छोटी-छोटी जाँच जिनमें आप पड़ते हैं, वह परमेश्वर का दण्ड है ... परमेश्वर उसे कुछ बताने की चेष्टा कर रहा था. जब तक उसने मूसा की तरह दिव्य-दर्शन नहीं पाया, अय्यूब ने बिलकुल नहीं पहचाना. जब मूसा ने दिव्य-दर्शन पाया, वह अग्निस्तम्भ, यह प्रमाणित हो चुका था. अय्यूब का सवाल था, "अगर मनुष्य मर जाए तो क्या वह दुबारा जी सकता है? मैं देखता हूँ पेड़ मरता है और फिर जीता है. फूल मरता है और जीता है. (उसका सवाल यही था) लेकिनमनुष्य अपने प्राण छोड़ता है, और वह नष्ट हो जाता है. बेटे उसके शोक मनाने को आते हैं, और वह नहीं समझ पाता. काश, जब तक तेरा क्रोध समाप्त नहीं हो जाता, तू मुझे कब्र में छिपाए रखता." वह नहीं समझ पाया कि क्यों फूल मरता है और दुबारे जीता है. किस प्रकार पेड़ से पत्ता गिरता है जमीन पर पड़ा रहता है और वसन्त में वापस आ जाता है. उसने कहा, "मनुष्य मरता है तो वह कहाँ जाता है? मैं परमेश्वर में विश्वास करता हूँ; लेकिन मनुष्य का

क्या हो जाता है?"

99 एक दिन बिजली चमकने लगती है, ठनका ठनकने लगता है, पैगम्बर के ऊपर आत्मा उतरता है, उसने एक मनुष्य को आते देखा जिसने पापी मनुष्य पर अपना हाथ रख दिया और पवित्र परमेश्वर ने खाई भर दी. तब वह चिल्लाया, "मैं जानता हूँ मेरा छुड़ानेवाला जिन्दा है? हालाँकि कीड़े-मकोड़े इस देह को नष्ट कर दें तो भी सदेह मैं परमेश्वर को देखूँगा." वह जानता था कि पुनरूत्थान क्या है.

100 बिलाम ने देवदूत को नहीं पहचाना जब तक कि खच्चर ने नई भाषा नहीं बोली. बिलाम नहीं पहचान सका कि उसके रास्ते में देवदूत खड़ा था. अंधा उपदेशक यह नहीं समझ पाता कि परमेश्वर उसके रास्ते में खड़ा है और उसे अपना दान पैसे के बदले बेचने से मना कर रहा है. और जब खच्चर मनुष्य की आवाज में बोला, तब बिलाम पहचान गया कि उसके रास्ते में देवदूत खड़ा था जो उसे वह करने से रोकने की कोशिश कर रहा था जो वह कर रहा था.

101 ओ अन्धे सम्प्रदाय के लोगो, अगर परमेश्वर एक गूंगे खच्चर को किसी सेवक से ऐसी भाषा में बात करा सकता है जो वह [यानी वह खच्चर] नहीं समझता और उस सेवक को यह बताता है कि वह रास्ते से भटक गया है, तो इसी काम को करने के लिए क्या वह एक आदमी को काम में नहीं ला सकता? अन्धे लोग.

102 अगर अहाब ने अपने दिन को पहचाना होता तो उसने पैगम्बर मीकायाह की कभी भर्त्सना नही की होती, जिसके पास परमेश्वर की प्रतिज्ञा का वचन था.

103 जब अहाब उस दिन वहाँ खड़ा था, वह और यहोशापात.... और जब उनके चार सौ नबी नबूवत कर रहे थे, यह कहते हुए, "जाओ, सब ठीक-ठाक है. अहाब, तुम पाप में जी रहे हो तुमने हमें एक बड़ा सम्प्रदाय बनाया; हम बड़े लोग हैं; हमारी सेवकाई बड़ी है. यहाँ हम चार सौ प्रशिक्षण पाये पुरोहित हैं— यानी नबी. हम चार सौ लोग वचन और धर्मशास्त्र में प्रशिक्षित हैं. हम इसके बारे में सब कुछ जानते हैं. अब इससे यह प्रमाणित हुआ कि वे इसके बारे में सब कुछ नहीं जानते थे.

104 इससे एक पीढ़ी पहले जिस आदमी को उन लोगों ने सनकी कहा, एलिय्याह यानी परमेश्वर का सच्चा नबी, जिसने नबूवत की, "यहोवा यों कहता है अहाब, कुत्ते तुम्हारा खून चाटेंगे"..... समझे?

105 लेकिन उन पुरोहित लोगों ने, लोगों के बनाए नबियों ने सोचा कि उनलोगों ने सबकुछ बिलकुल ठीक किया था. उन्होंने कहा "पिता इब्राहीम, नहीं, पिता अहाब जाइये, प्रभु आपके साथ है आपको धर्मग्रन्थ मिला है, चूँकि परमेश्वर ने यह देश इस्राएल को दिया, यह इस्राएल का है. बढ़े चलिए, प्रभु आपके साथ है. ओह!.

106 लेकिन आपको मालूम है कि यहोशापात, जो अहाब की तरह पाप में घुलमिल नहो गया था, उसके देखने का अंदाज दूसरा था. उसने कहा, "कोई और नहीं है क्या?"

107 उसने कहा "हमलोगों का एक और है, लेकिन मैं उससे घृणा करता हूँ". आपने देखा? परमेश्वर क्या कर रहा था? फिर से वह अपने लोगों को एक नबी के जरिए अलग कर रहा था "मैं उससे घृणा करता हूँ वह और कुछ नहीं करता, हर समय सिर्फ मेरी भर्त्सना करता है. और आप जानते हैं मैं बड़ा आदमी हूँ. अगर मैं बड़ा विश्वासी न होता तो यहाँ यह बड़ा सेमिनरी न रखता.

मैंने अच्छे-अच्छे प्रशिक्षित व्यक्तियों को रखा है. यह सिखाने के लिए मैंने इनलोगों को किताबें, बाइबिल और सबकुछ दे रखा है. और मुझे मालूम है ये बड़े लोग हैं." लेकिन अगर अहाब ने यह पहचाना होता कि वह व्यक्ति कौन था, वह बेचारा फटेहाल दिखने वाला व्यक्ति, यिम्ला का पुत्र जो वहाँ खड़ा उसे कह रहा था, "यहोवा यों कहता है," तो उसने वह भयंकर भूल नहीं की होती. मगर उसने मीकायाह की भर्त्सना की. उसने कभी....

हे लोगो, आप जिस युग में रह रहे हैं उसे पहचानें! देखिए कि क्या-कुछ घटित हुआ है. देखिए कि क्या प्रतिज्ञात है जिस दिन में आप जी रहे हैं उसे पहचानिए.

108 अगर कलीसिया का सम्प्रदाय यह समझने लगे कि क्यों उसकी भर्त्सना की जा रही है, और क्यों उसके सदस्य उससे दूर भाग रहे हैं जैसे मिश्र से इस्राएल. अगर सम्प्रदाय उन टेपों की भर्त्सना करना छोड़ दें और उन्हें सुनने लगें और आप प्रचारक लोग जो इस टेप को सुन रहे हैं, सुनें. अगर आप उस घड़ी को पहचानें जिसमें आप रह रहे हैं, अगर आप सिर्फ समय के संकेत को पहचानें, आप देखेंगे कि लोग उन सम्प्रदायों से क्यों भाग रहे है. प्रभु का आत्मा पुकार रहा है "कोई व्यक्ति मेरे पास नहीं आ सकता," यीशु ने कहा, जब तक मेरा पिता उसे आकर्षित नहीं करता. और बीते दिनों में पिता ने जिस-जिस को मुझे दिया है वह आयेगा."

109 उस कुएँ पर की स्त्री के समान, और पुरोहित के समान वे वे कितने अलग-थलग थे. आज फिर दीवार पर लिखा है. वे देखते हैं, मगर पहचानते नहीं.

110 अगर यहूदी लोगों ने अपने मसीहा के प्रतिज्ञात चिह्न को

पहचाना होता जो उनके आखिरी नबी ने दिया था; मलाकी 3 ने कहा था, "देखो मैं अपना दूत अपने पहले भेजता हूँ और वह रास्ता तैयार करेगा." और उनका दावा था कि वे उसकी राह देख रहे थे आज के दिन के साथ कितनी समानता है.

111 उनका दावा है कि वे कुछ होने का इन्तजार कर रहे हैं. सभी कलीसियाएँ प्रार्थना कर रही हैं, उपवास कर रही हैं और कह रही हैं, "अब हम सब प्रार्थना करें. हम सब एकत्र हों. कोई बड़ी बात का होना अवश्य है हम जानते हैं कोई बड़ी बात होनेवाली है; कलीसिया को तैयार होना है." इसी के बारे में वे सब प्रार्थना कर रहे हैं.

112 वे भी इसी के बारे में प्रार्थना कर रहे थे और तब यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला आया. चूँकि उसने उनके सेमिनरियों का बहिष्कार किया, क्योंकि उसने वह किया जो उनके बाप-दादों की शिक्षा के खिलाफ था ... वह बियाबान से बिना किसी शिक्षा के आया. वह बिना अपना कॉलर मोड़े आया, जैसे की आज की भाषा में कहा जाएगा वह बिना किसी धर्मशास्त्री के समूह के आया; लेकिन वह परमेश्वर की प्रतिज्ञा के द्वारा यह जानते हुए आया कि वह मसीहा की घोषणा करनेवाला था. उसने कहा, "वह इस समय आपलोगों के बीच खड़ा है" और उनलोगों ने सोचा कि वह पागल है, क्योंकि वह उनलोगों के सम्प्रदाय का नहीं था. लिखावट दीवार पर थी, और वे लोग नहीं जानते थे. उनका दावा था कि वे ऐसे व्यक्ति की राह देख रहे थे; और वह ठीक उनके बीच मौजूद था; और उन्होंने नहीं पहचाना, हालाँकि वे कहते थे कि वे उसकी राह देख रहे थे.

113 ठीक उन यहूदियों के समान, जो अन्य जातिओं के साथ खान-पान कर रहे थे, क्योंकि ठीक यही नबूवत की गई थी. वे

दावा करते थे कि वे उसकी तलाश कर रहे थे. लेकिन आज के गैरयहूदी लौदीकिया-युग के सम्प्रदाय ठीक उतने ही अन्धे हैं जितने वे. आखिर क्यों? ऐसी नबूवत की गई है कि वे अन्धे होंगे ऐसा होना अवश्य है.

114 अगर इस्राएल ने अपने चिह्न को पहचाना होता, तो उन्होंने जान लिया होता कि मसीहा के आने का समय नजदीक था. अगर उन्होंने महसूस किया होता....

आप जानते हैं कि चेलों ने यीशु से कहा, "शास्त्री लोग क्यों कहते हैं कि एलिय्याह पहले आएगा?"

115 और, यीशु ने कहा, "एलिय्याह पहले ही आ चुका है और उन्होंने उसे नहीं पहचाना. वह पहले ही यहाँ आ चुका है, और उन्होंने उसे मार डाला है उन्होंने ठीक वैसा ही किया जैसा धर्मशास्त्र ने कहा कि वे करेंगे.

116 काश, उनलोगों ने सिर्फ यह पहचाना होता कि वह सनकी जो उनकी हर दोहरी चाल की भर्त्सना करता था.. उसने कहा, "ओ पाखडियो, तुम क्यों घास में छिपे साँप, ओ साँपों के वंशज किसने तुम्हें चिताया कि आनेवाले क्रोध से भागो? मन ही मन यह मत सोचो, "हम इब्राहीम की औलाद हैं; हमारे पास यह है वह है." क्योंकि मैं तुमसे कहता हूँ, परमेश्वर चाहे तो इन पत्थरों को इब्राहीम की औलाद में बदल दे."

117 आप यह न सोचने लगें कि आपके हाथ में विश्व-परिषद् है, और आपके पास सबसे ज्यादा ठाठ-बाटवाले मेम्बर हैं परमेश्वर अपने वचन को पूरा करने के लिए यहाँ की गलियों के चूहों को संतान में बदल दे— वेश्यायों, बदजात औरतों, शराबियों, जुआ-

रियों को. वह ऐसा करने में समर्थ हैं; वह अब भी परमेश्वर है.

118 अन्धे इस्राएल की तरह सम्प्रदायों के सम्बंध में भी भविष्यवाणी है कि वे अंधे किए जायेंगे (मैं आपको दोनों में समानता दिखला रहा हूँ जब तक कि मैं उस स्थल पर न पहुँच जाऊँ जहाँ मैं अब पहुँचना चाहता हूँ.) अन्धे. इस लौदीकिया-युग की अन्य जातियों के सम्प्रदाय वैसे ही अंधे हैं जैसे वे [प्राचीन यहूदी] उस समय थे.

119 लौदीकिया-युग से अपेक्षा कि जाती है कि वह एक संवाद पाएगा; मलाकी 4 ने कहा कि उन्हें मिलेगा लेकिन वे किसका बाट जोह रहे हैं? "हमारा अपना सम्प्रदाय इसे पेश करेगा. और अगर यह हम बैप्टिस्टों, प्रेजबिटेरियनों. असेम्बिलयों बननेसवालों के जरिए नहीं आता अगर हम इसे पेश नहीं कर सकते तो यह झूठी बात है." ठीक ऐसी बात जैसी उनलोगों ने उस जमाने में की. वह आया और गया और उनलोगों ने नहीं पहचाना. हालाँकि एक-एक वचन पूरा हुआ उनलोगों ने इसे नहीं पहचाना यीशु ने कहा, "जैसा लिखा था कि वे करेंगे, वैसा ही इनलोगों ने किया है ऐसा ही वे मनुष्य के पुत्र को भी करेंगे. उसे अस्वीकारा जाएगा."

120 अब देखिए. अन्य जातियों के दिनों में वैसा ही है, मलाकी 4 के प्रतिज्ञात वचन के अनुसार; यीशु ने कहा, "पूरा का पूरा धर्मग्रन्थ परमेश्वर के द्वारा प्रेरित है, और इसमें से रंच मात्र भी ऐसा नहीं जो पूरा न हो." धर्मग्रन्थ के पूरा नहीं होने का कोई उपाए नहीं; सबकुछ पूरा होना अवश्य है और यीशु ने कहा यह होगा. और हमलोग इसे पूरा होते देखते हैं. हम देख रहे हैं.

121 क्या पुनः— स्थापित करना है? इन अंतिम दिनों में सम्प्रदाय

में रहनेवाले भाइयो, सुनिए मूल पिन्तेकुस्त— पर्व को पुनः— स्थापित करें, जैसा कि शुरू में था; इस्राएल की तुरही के पर्व के सुनाई देने के पहले इसे पुनः— स्थापित होना है, यह पुनः स्थापित होगा. इसे करने को कुछ न कुछ होना है. मलाकी 4 में कहा गया कि पूर्वजों का विश्वास बच्चों में पुनः स्थापित किया जाएगा. कौन-सी घटना होगी....

122 अगर इस्राएल ने अपने मसीहा को पहचाना होता, प्रतिज्ञात चिह्न को पहचाना होता, तो आज वे लोग वहाँ नहीं होते जहाँ वे हैं. अगर उनलोगों ने ... लेकिन उन लोगों ने ऐसा क्यों नहीं किया? इस पर दया आती है. उन लोगों ने ऐसा क्यों नहीं किया? क्योंकि परमेश्वर ने कहा कि वे ऐसा नहीं करेंगे. कितने लोग इस पर विश्वास करते हैं, कहें "आमीन" [मंडली जवाब देती है" आमीन— सम्पादक] परमेश्वर ने कहा कि वे नहीं पहचानेंगे. और उसी परमेश्वर ने कहा है लौदीकिया की कलीसिया के युग में ऐसा होगा और यह उनके सामने है. नहीं पहचानने के सिवा और कर भी क्या सकते हैं?

123 काश, उन्हें मसीहा के प्रतिज्ञात चिह्न की पहचान होती, मनुष्य के पुत्र के चिह्न की वह मनुष्य के पुत्र के नाम से आया. पिन्तेकुस्त के युग में वह पवित्रात्मा, परमेश्वर के पुत्र, के नाम से था. इसके बाद की चीज है हजार वर्ष का राज्य दाऊद के पुत्र का. पुत्र तीन हैं— परमेश्वर एक ही. एक ही, पिता, पुत्र, पवित्रात्मा; वही एक परमेश्वर. दाऊद का पुत्र, परमेश्वर का पुत्र— दाऊद का पुत्र, मनुष्य का पुत्र, परमेश्वर का पुत्र हमेशा वही परमेश्वर हैं, सिर्फ तीन भिन्न-भिन्न पदों और कार्यों में.

124 इसी प्रकार पिता, पुत्र और पवित्रात्मा तीन ईश्वर नहीं हैं,

बल्कि एक ही परमेश्वर तीन व्यवस्थाओं में, तीन कार्य-भारों में, पिता पुत्र और पवित्रात्मा के रूप में. लेकिन आज की तरह उस समय परम्परा के माननेवाले अंधे थे, परंपरा से अंधे, वे यह नहीं देखते हैं. वे क्यों नहीं देख सकते? वे इसे कभी नहीं देखेंगे. याद रहे, यह है "यहोवा यों कहता है". आप कहेंगे, "तब आप इसे कह क्यों रहे हैं?" ठीक जैसा यूहन्ना ने किया, जैसा बाकी लोगों ने किया. जहाँ-तहाँ दो-एक बातें हैं जिन्हें पूरा किया जाना है ओ परमेश्वर की भेड़ो, परमेश्वर की आवाज सुनो! "मेरी भेड़े मेरी आवाज सुनती हैं."

125 कुएँ पर जो औरत थी उसने मसीहा के चिह्न के द्वारा अपने दिन को पहचाना. वह निकम्मी थी वह उन गयी-बीती कलीसिया-ओं के साथ अपना समय बर्बाद करना नहीं चाहती थी, जिस तरह और-और लोग कर रहे थे वे हर तरह के बेजा काम कर रहे थे वह उन बातों में विश्वास नहीं करती थी. लेकिन वह जानती थी एक-न-एक दिन आनेवाला आएगा. वह बेचारा जो कुएँ की ओर जा रहा था ... उसने वह चीज पा ली जिसकी उसे तलाश थी, जब वह उसके दिल के भेद को उस पर जाहिर करने लगा, उसने उसको वह पाप बता दिया जिसमें वह जी रही थी. उसने कहा, "हुजूर, मैं देखती हूँ कि आप पैगम्बर हैं." (चार सौ साल से उन लोगों का कोई पैगम्बर नहीं हुआ था.) कहा, "देखती हूँ कि आप पैगम्बर हैं. और मैं जानती हूँ कि जब मसीहा आएगा तो वह यह सब करेगा."

उसने कहा, "वह मैं ही हूँ."

126 उसने पहचान लिया. और कुछ नहीं पूछा. आप इसे वैसे प्रमाणित कर सकते है? यह पहले ही प्रमाणित किया जा चुका था.

"जब मसीहा आएगा तो वह यही करेगा.' अच्छा, अगर वह धर्म-ग्रन्थ के द्वारा इसकी पहचान कर सकती हैं तो क्या आज हम शाम के प्रकाश और चिह्न को नहीं पहचान सकते? "हम जानते हैं कि जब मसीहा आएगा, वह हमें ये सारी चीजें दिखायेगा. वह हमें यह सब बताएगा उसने कहा, "वह मैं ही हूँ जो तुमसे बोल रहा हूँ."

127 और कोई सवाल नहीं. वह चली गई. और उसने लोगों से कहा, "आओ, देखो, यही वह है!" उसके सामने और कोई सवाल न था. यह तय बात थी, क्योंकि उसने उस दिन को पहचान लिया था जिसमें वह जी रही थी. उसने उसे पहचान लिया था

128 इसी तरह नतनएल ने, जो नामी यहूदी था. जब उसने मसीहा के उस चिह्न को देखा जो उस समय के लिए प्रतिज्ञात था, तो चाहे कितने ही पुरोहित, कितने भी कुछ.... उसने क्या किया? पुरोहितों ने जब उन लोगों को कलीसिया को छोड़ते और जाते देखा तो उन्हें परेशानी हुई उन्होंने कहा, "अगर तुम में से कोई उसकी सभा में शामिल होगा तो उसे बाहर निकाल दिया जाएगा. तुम्हें हम सम्प्रदाय से सीधे बाहर निकाल देंगे."

129 आज भी ऐसा ही है. "हमलोग तुम्हें अपने संगठन से बाहर कर देंगे अगर तुम उसकी सभा में जाओगे"

130 याद है उस अन्धे आदमी के बारे में? उसके माँ-बाप जवाब भी न दे सके. वे डरते थे क्योंकि उनलोगों ने कहा था कि जो कोई भी यीशु से मिलने जाएगा या— उसकी सभा में शामिल होगा, उसे निकाल बाहर किया जाएगा. लेकिन वह अन्धा आदमी अपने लिए खुद बोल सकता था. वह जो एक समय अन्धा था अब देख सकता था.

131 मैं जो एक समय अन्धा था अब देख सकता हूँ. मैं जो इन बातों को नहीं जानता था पवित्रात्मा ने इसे मुझपर प्रकट किया है. सम्प्रदायों को छोड़िए, क्योंकि किसी न किसी तरह उनको होना ही है!

132 "अगर मैं धरती से ऊपर उठा लिया जाएँ तो मैं सब मनुष्यों को अपनी ओर आकृष्ट कर लूँगा." नतनएल ने उसे पहचाना; उसने उसे जाना.

133 ठीक जिस तरह मूसा, धर्मग्रन्थ के प्रमाण, प्रमाणित बचन; मूसा जानता था कि उस दिन के लिए वही प्रतिज्ञा थी, क्योंकि यह धर्मग्रन्थ-सम्मत था. चाहे कितनी भी अनहोनी···· उसने कहा, "मैं उनसे क्या कहूँ कि किसने···? मैं उनसे कहूँगा कि मैंने यहाँ उस बियावान में एक रोशनी देखी. मैं अब उनसे किस प्रकार कह सकता हूँ कि वहाँ एक रोशनी थी, और इस रोशनी ने मुझे वहाँ जाने को कहा?

134 उसने कहा, "निश्चय ही, मूसा मैं तुम्हारे साथ हूँगा." और न सिर्फ ····और मिस्र में उसने अपने आपको सिर्फ आश्चर्यकर्मों और चिह्नों के द्वारा ही प्रकट नहीं किया, बल्कि जब उसने उन सबको इकट्ठा कर लिया वह दुबारे उनके सामने प्रकट हुआ, और चुने गए और बुलाए गए लोगों के सामने मूसा की सेवकाई को सच्चा ठहराया. जब उस पैगम्बर ने उन लोगों को उस देश से अलग किया और उन्हें एक जगह लाया तो अग्नि-स्तम्भ दुबारे सीनै पर्वत पर प्रकट हुआ. आज के समान. आमीन! परमेश्वर की तारीफ हो! मेरे लिए यह जान से बढ़कर है.

135 ज्यों-ज्यों मेरी उम्र बढ़ती जाती हैं मैं अभद्रता और अनैतिकता की घड़ी को देश-देश पर हावी हुआ देखता हूँ, तब मैं पलट कर

देखता हूँ कि क्या-कुछ हुआ है; मेरा दिल खुशी से उछल पड़ता है, यह जानकर कि कुछ समय बाद रहने का यह पार्थिव मंडप विलीन हो जाएगा, किन्तु सामने एक मंडप इन्तजार कर रहा है. मैं कोशिश कर रहा हूँ लोगों को इन सब चीजों से अलग-थलग करने की, उन्हें निकालना की, धर्मशास्त्र के जरिये उन्हें दिखाना कि अग्नि-स्तम्भ के प्रमाण के साथ ईश्वर वहाँ खड़ा है, जिसे सैकड़ों हजारों ने देखा है, और इसे साबित करने के लिए बार-बार इसे कैमरे पर उतारा है.

136 छल करने वाले उठ खड़े होते है. निस्संदेह इसका होना अवश्य है. मूसा के दिनों में भी छद्मवेशी उठ खड़े हुए और वही सब किया. परमेश्वर ने कहा, "मूसा खुद को अलग करो. उनके आगे-पीछे मत रहो. मैं उन्हें पी जाऊँगा!" और संसार ने उन्हें अपने में मिला लिया. यही हाल आज भी है संसार में देखिए— धन की योजनाएँ और दूसरी-दूसरी चीजें हैं. समझे?

137 मूसा का धर्मग्रन्थसम्त चिह्न.... वह— वह परमेश्वर का बड़ा पैगम्बर था जो उन्हें छुड़ाने के लिए वहाँ गया. और उनलोगों ने इसे पहचाना; उनलोगों ने उस चिह्न को पहचाना. वह ठीक वही धर्मग्रन्थ-सम्मत प्रतिज्ञा थी जिसे प्रमाणित किया जा चुका था.

138 यीशु धर्मशास्त्र का वह वादा था जो उस स्त्री के सामने प्रमाणित हुआ, यानी वह व्याख्या था. यीशु धर्मशास्त्र की व्याख्या था. उसके अपने जीवन ने धर्मशास्त्र की व्याख्या की.

139 क्या आप समय के संदेश को नहीं देखते? क्या आप नहीं पहचान सकते हम सब कहाँ पर हैं? धर्मशास्त्र से लिया गया संदेश स्वयं व्याख्या करता है कि हम सब किस घड़ी में जी रहे हैं. यह व्याख्या है.

140 यीशु ने इस्राएल से कहा, "काश, तुमने अपने दिन को पहचाना होता!" एक बार जैतून के पहाड़ पर बैठे हुए, उन्होंने देखा, कहा, यरूशलेम, ओ यरूशलेम,...." वे रोए. उन्होंने नीचे की ओर देखा, ... कोई तुलना नहीं, किसी प्रकार नहीं— पिछली रात— पिछली सुबह कोई दस बजे जब मैंने उस कलीसिया को देखा. आपके हृदय में लगता है कि पवित्रात्मा आँसू बहा रहा है. "यरूशलेम, ओ यरूशलेम, कितनी बार मैं तुम्हारे ऊपर मंडराया होता. लेकिन तूने क्या किया? तुमने पैगम्बरों को मार डाला जिन्हें मैंने तेरे पास भेजा तूने उनकी हत्या कर डाली!" और कलीसिया को आज जो संदेश भेजे गये हैं उनके साम्प्रदायिक सिद्धांतों के द्वारा उनकी हत्या कर दी गई है धर्मशास्त्र की उनके सिद्धांतों के द्वारा हत्या कर दी गई है. यीशु ने कहा, "काश, तुमने सिर्फ अपने दिन को पहचाना होता! लेकिन अब काफी दूर, काफी देर हो चुकी." यही बात कलीसियाओं के साथ है.

141 मैं सारे दिल से विश्वास करता हूँ कि वह उद्धार से परे हो चुकी है चाहे आप इसका कुछ भी सोचे, यह आपकी निजी धारणा है, यह मेरी है समझे? आपको मेरी धारणा ग्रहण करने की जरूरत नहीं है. लेकिन मेरा विश्वास है कि वह उद्धार से परे हो चुकी है, और परे रही है पिछले 5 या 6 वर्षों से. मुझे याद है— आपको शिकागो याद होगा. देखिए तब से क्या कुछ हुआ है, और उसे आगे घटते हुए देखते रहिए. समझे? याद रखिए, मेरा नाम इसके पहले है, यह वहाँ पर लगा है; यहोवायों कहता है. आप देखिए कि वह बराबर गिरी है कि नहीं.

142 1933 को देखिएः कैसे कहा कि औरतें इन अन्तिम दिनों में किस तरह आचरण करेंगी; कैसे कहा कि लोग.... किस प्रकार मुसोलिनी, किस प्रकार उसका अंत होगा; किस प्रकार हिटलर का

रहस्यात्मक अन्त होगा; किस प्रकार तीन 'इज्म' मिलकर कम्युनिज्म (साम्यवाद) होगा; किस प्रकार मशीन अंडे की तरह दिखने लगेंगे; किस प्रकार औरतें मर्द की तरह कपड़े पहनेंगी, मर्द की तरह दिखने लगेंगी, यहाँ तक कि उनके नीचे के कपड़े की तरह, और अंत में वे अंजीर के पत्ते की तरह, पहनने लगेंगी; किस प्रकार का अनैतिक काम. इन दिनों में वे इस प्रकार आचरण करने लगेंगी. देखिए उन्होंने क्या किया है? यह तो आपके सामने है.

143 अगर मसीही महिलाएँ. (तथाकथित मसीही महिलाएँ) केवल पहचान पातीं, पहचान सकतीं कि उनके ऊपरवाली भ्रष्ट आत्मा जो उनसे उनके बाल कटवाती है शैतान की है. सिर्फ शैतान ही है जो वैसा करेगा. आपके लिए वह परमेश्वर के वचन के खिलाफ है. जैसा अदम के बगीचे में था. उन्होंने क्या..? काश, वे सिर्फ पहचान पाते. वे कहने की कोशिश करते हैं, "ओह, वह मामूली ढ़ोंगी, लोढ़ा उपदेशक कह रहा है...." यह मै नहीं. मैं आपको नहीं कह रहा हूँ कि क्या करना है. मैं सिर्फ वचन को उद्धृत कर रहा हूँ. काश, वे पहचान सकते कि यह शैतान है.

144 वे खुद को मसीही कहते हैं; यीशु ने कहा, "कैसे तुम मुझे प्रभु कहकर पुकार सकते हो और उन बातों को नहीं करते जो मैंने करने को कहा? वे मसीही हो नहीं सकते मैं उनका न्यायकर्त्ता नहीं, बल्कि मैं सिर्फ वह कह रहा हूँ जो वचन कह रहा है. "कैसे तुम मुझे प्रभु कहकर पुकार सकते हो और उन बातों को नहीं करते जो मैंने करने को कहा?" और संपूर्ण वचन ही यीशु ख्रीस्त का प्रकाशन है. "कैसे तुम मुझे-प्रभु कहकर पुकार सकते हो?'

145 काश, वे पहचान पाते कि यह शैतान है, भष्ट आत्मा. वहाँ कुछ सुन्दर औरतें....

146 मैं सोचता हूँ यह सबसे भद्दी जगह है जिसे मैंने अपनी जिन्दगी में देखा है, जेफर्सनविल इंडियाना, बेपर्द औरतों के लिए. मैं हॉलीउड जा चुका हूँ; मैं हर कहीं गया हूँ; मैं संसार भर में गया हूँ, और सभी तरह की गन्दगी देख चुका हूँ. मैंने इसे पेरीस में देखा है; मैंने इसे इंगलैंड में देखा है, जो उन सब का प्रधान है.

147 मैं सोचता हूँ कि इंग्लैंड किसी दिन महासमुद्र के नीचे धंस जाएगा; चाहिए भी. गन्दगी, गर्दग्रुबार यह संसार की अनैतिकता की डबरी है, मैंने अपनी जिन्दगी में जितने लोगों को देखा है उनमें सबसे ज्यादा धर्मग्रन्थ को नकारनेवाले. वह ऐसी हो गई है, क्योंकि उसने सच्चाई को अस्वीकार किया है.

148 बिलीग्राहम ने कहा उन्हें अपनी पत्नी को पार्कों से बाहर निकाल लेना पड़ा— औरत-मर्द के बीच तरह-तरह की कामुक क्रियाएँ हो रही थीं, लड़के-लड़कियों के बीच, ठीक पार्क में, खुलेआम. वह डबरी बन चुकी है. इसी तरह फ्रांस; इसी तरह संसार का बाकी हिस्सा; और इसी तरह संयुक्त राज्य उनसब का नेता बन रहा है.

149 आज देखिए. उनलोग के बाल कटाये जा रहे हैं जाँघिया स्लैक्स पहनते हैं. धूम्रपान करते हैं— और खुद को विश्वासी कहते हैं क्या आप महसूस नहीं करतीं, बहन या औरत मेरा मतलब है.... माफ कीजिये, मेरी बहन ऐसा काम नहीं कर सकती. क्यों आप महसूस नहीं करतीं कि यह शैतान है? लेकिन क्या. पुराने जमाने के यहूदियों की तरह आप प्रमाणित वचन पर विश्वास नहीं करेंगे जब कि यह आपके सामने प्रमाणित किया गया है. आप अपनी साम्प्रादायिक परम्पराओं से चिपके हुए हैं जो कहते है कि यह सब ठीक है. आप अन्य-अन्य भाषाएँ बोलते हैं, कूद-फाँद

करते हैं, आत्मा में गाते हैं— और अपने बाल काटते हैं. क्या आप सोच सकते हैं कि कोई मसीही ऐसा करेगा? मैंने दुष्ट आत्माओं को देखा है, मैंने जादूगरनियो को देखा है, मैंने उन्हें नई भाषाएँ बोलते देखा है, और व्याख्या करते हुए और उछल-कूद करते हुए और आत्मा में नाचते हुए मनुष्य की खोपड़ी से खून पीते हुए, और यीशु मसीह के नाम को कोसते हुए.

150 आप कहते हैं, "मैं चर्च का हूँ. हल्लिलूय्याह! परमेश्वर की महिमा हो! मैं....' आप किसके है? कलीसिया वचन है; और वचन कहता है आपके लिए ऐसा करना शर्म की बात है!

फरीसियों के अंधे गुट, बेचारे बच्चों को इस तरह नरक की राह दिखाते हुए. क्योंकि आपको खाने के टिकट का भय है, और आपको अपने सम्प्रदाय से निकाल दिया जाएगा अगर आप इस बारे में कुछ.... छिः-छिः, ओ पाखंडी! इसके लिए शर्म करो! घड़ी को इस प्रकार नजदीक आते देखकर भी आप अपनी परम्पराओं के द्वारा परमेश्वर के वचन से मुड़ते हैं. अरे अंधे कैसे साहस होता है!

151 क्या बाइबिल नहीं कहती कि आपको अंधा कर दिया गया? क्या आप नहीं समझ सकते कि आप अंधे हैं? बाइबिल ने कहा कि आप हैं. और आप नंगे, अभागे तुच्छ, अंधे हैं, और नहीं जानते जबकि आप सोचते हैं कि आपके पास शहर की सबसे बड़ी कलीसिया है, और आप यह करते है, वह करते हैं. और बाइबिल ने कहा कि आप इतने गरीब हैं जितना कोई हो सकता है और आप अंधे हैं. और वह फिर भी द्वार पर खड़ा है, आपको आँख का सुरमा बेचने की चेष्टा करता हुआ— नहीं, बेचने की नहीं, बल्कि आपको देने को, और आप इसे ग्रहण नहीं करेंगे! यह धर्मग्रन्थ के वचन को पूरा करता है!

152 किस दिन में आप जी रहे है, लोगो? क्या आप उस घड़ी को पहचानते हैं, चिह्न को पहचानते हैं?

153 काश वे सिर्फ महसूस कर पाते, वे औरतें, कि वह शैतान ही है. यह कोई निर्लज्ज शैतान ही है धर्म के नाम में. वह हमेशा ऐसा ही रहा है. वह हर पैगम्बर के पास आया; वह हर संत के पास आया; वह धार्मिक व्यक्ति के रूप में यीशु ख्रीस्त के पास भी आया. और बाइबिल ने कहा कि अंतिम दिनों में वह इतना करीब होगा (यहाँ तक कि पिन्तेकुस्तल), और उस पिन्तेकुस्तल कलीसिया से चुने लोगों को भी भरमा देता, अगर यह संभव होता.

154 [दूसरा साइड, अधूरा, शुरू होता— सं०] "... लेकिन थोड़े," उसने कहा, "क्योंकि तंग है वह फाटक और संकरा है वह मार्ग और थोड़े ही होंगे जो उसे पाएँगे. क्योंकि जैसा नूह के दिनों में था, जिसमें आठ आत्माएँ बचाई गई, वैसा ही मनुष्य के पुत्र के आने पर भी होगा." सोचिए किस दिन में हमलोग जी रहे हैं? क्या आप घड़ी को पहचानते हैं, दिन को पहचानते हैं? (मैं आपका बहुत समय ले रहा हूँ, लेकिन मैं कुछ और मिनट लूँगा.")

155 उनसे बाल कटवाना. ओह, वे कहते हैं, "हमारी कलीसिया उसका कुछ ख्याल नहीं करती." आप जानते हैं क्यों? वे अन्धे है. "अपने बाल काटने में कोई हर्ज नहीं." बाइबिल कहती है कि आपके लिए अपने बाल कटाना और प्रार्थना करना गंदी बात है. आप कहते हैं, "हाँ, औरत को पर्दा होना चाहिए." "और बाइबिल ने कहा उसका बाल ही उसका पर्दा है हैट नहीं, उसके बाल?

156 क्या होता अगर मूसा कहता, 'मैं जूतों के बदले अपना हैट उतारूँगा ?" उससे काम नहीं चलता. परमेश्वर ने कहा, "जूते;

परमेश्वर का मतलब जूते से था, उन्होंने कहा, "बाल." न कि "हैट।" परमेश्वर की महिमा हो उन्हें! वही पसंद था, मुझे पूरा विश्वास है. परमेश्वर की प्रशंसा हो! उसका मतलब ठीक वही होता है जो वह कहता है. धार्मिक-ग्रन्थ व्यक्तिगत व्याख्या की चीज नहीं. सिर्फ आपके सम्प्रदाय के मतलब का नहीं; इसका ठीक वही मतलब है जो वह कहता है; और वही व्याख्याकार है.

157 कहें, "मैं एक औरत को जानता हूँ जो...." मुझे बिलकुल परवाह नहीं कि आप क्या जानते हैं; मैं जानता हूँ परमेश्वर ने इसके बारे में क्या कहा. आपको जो अच्छा लगे.

158 काश, उन्होंने पहचाना होता कि बात क्या है भली औरत. काश! आप सिर्फ पहचान पातीं यानी औरत, भली औरत नहीं.

159 ब्लू बोर से आते हुए मैंने एक साइन देखा है, नीचे, मेरा ख्याल है 5 स्ट्रीट में, किसी बीयर बैठक खाने, में "महिलाओं के लिए मेज." मैं हठात् रूक गया... मैंने कहा, "तुम्हारे यहाँ कभी कोई महिला थी ही नहीं." कोई महिला ऐसी जगह में नहीं जाएगी. औरत जा सकती है, लेकिन महिला नहीं.

160 क्या आपने कभी ध्यान दिया कि संसार का पतन औरतों की अनैतिकता से शुरू होता है? क्या आप जानते हैं यह इसी तरह से खत्म होनेवाला है, औरतों की अनैतिकता से? और कलीसिया औरत का प्रतिनिधित्व करती है' औरत के द्वारा उसका प्रतिनिधित्व होता है? आध्यात्मिक तौर पर कलीसिया औरत है. इसी तरह, आध्यात्मिक तौर पर दुलहन औरत हैं.

161 कलीसिया की अनैतिकता— कैसे-कैसे होता है. दिव्य-दर्शनों को देखिए, उन बातों को देखिए. दिव्य-दर्शनों को देखिए जो

परमेश्वर देता है.... और वह दिव्य-दर्शन सत्य है. मेरे हृदय के ऊपर मेरी बाइबिल है, आपलोगों के लिए टेप पर, और सुनने वाले उसे देख सकते हैं. मैंने देखा! सर्वशक्तिमान परमेश्वर जानता है कि यह सच है. अब से पहले मैंने इसे जाना नहीं. वह नंगी है और नहीं जानती. वह मौज मना रही थी. यह रही हालत. लेकिन जब वह छोटी दुलहन आंखों के सामने आई, यह बिलकुल भिन्न थी. अलफा और ओमिगा.

162 यह शैतान करता है पुराने जमाने के यहूदियों की तरह, जब वे वचन को देखते हैं... और यीशु ने कहा अपने.... उन्होंने अपने शिष्यों से कहा, "धर्मशास्त्र में खोजो तुम— तुम-तुम मेरे और मेरी सेवकाई के बारे में पेशोपेश में हो. धर्मग्रन्थ में खोजो. तुम समझते हो कि उसमें तुम्हें अनंत जीवन मिलता है, और वही मेरी गवाही देते हैं. वे तुम्हें बताते हैं कि मेरा संदेश क्या है. अगर तुम मेरा विश्वास नहीं कर सकते तो तुम उन शब्दों पर विश्वास करो जो परमेश्वर तुम्हारे लिए व्याख्या करता है."

163 "हमलोग इस आदमी को अपने ऊपर हुकूमत नहीं करने देंगे. हमारे अपने पुरोहित लोग हैं." तब आगे बढ़िये, इतना ही कहा जा सकता है. जो भी हो जरूरत से अधिक देर हो चुकी है. समझे? साम्प्रदायिक परम्पराएँ जो कहती है कि यह ठीक है—वो उनकी सुनते हैं. वे बात सुनेंगे.... आप विश्वास करेंगे— मनुष्य के वचन का परमेश्वर के वचन से बढ़कर.

164 वे नहीं पहचानते.... आज कलीसियायें नहीं पहचानतीं 2 तीमुथियुस 3 को. अगर आप.... मैं देखता हूँ आपमें से कुछ धर्मग्रन्थ की पद्य सख्या उतार रहे हैं. मैं ये सारे पद्य ठीक यहीं से उद्धृत कर रहा हूँ. यहाँ अगर कोई मेरा ध्यान खींचे तो मैं— चाहे इसपर मेरा हाथ, मैं उनको इसके लिए धर्मशास्त्र का पद्य दिखला

सकता हूँ. समझे?

165 वे 2 तीमुथियुस 3 को नहीं पहचानते, जहाँ पर कहा गया है;" अंतिम दिनों में मनुष्य ढ़ीठ, घमंडी और परमेश्वर के नहीं वरन् सुख-विलास के ही चाहने वाले होंगे, संधि को भंग करनेवाले, झूठा इलजाम लगाने वाले, असंयमी, और भले के बैरी होंगे (दुलहन. समझे?); वे भक्ति का भेष तो धरेंगे, पर उसकी शक्ति को न मानेंगे; ऐसों से परे रहना. क्योंकि इन्हीं में से वे लोग है जो घर-घर जायेंगे और छिछोरी स्त्रियों को वश में कर लेते हैं, जो पापों से दबी और हर प्रकार की अभिलाषाओं के वश में हैं और सदा सीखती तो रहती हैं पर सत्य की पहचान तक कभी नहीं पहुँचतीं." कभी नहीं— वे करती भी नहीं, और वे करेंगे भी नहीं. परमेश्वर ने ऐसा कहा. और अंधे फरीसी, क्या तुम इसे देख नहीं सकते? मैं गुस्से में नहीं हूँ. मैं सिर्फ ठोस बात कह रहा हूँ. न तो कलीसियाएँ ही इसे महसूस करती हैं औरतें इसे समझ नहीं सकतीं; उनसे अपेक्षा की जाती है... छिछोरी औरतें नाना प्रकार की अभिलाषाओं के वशीभूत— हॉलीवुड, इस प्रकार की सभी बातें, कटे बाल जाँघिया पहनना, साज-श्रृङ्गार करना, इस प्रकार की सभी चीजें अशोभनीय हैं.

166 क्या आप जानते हैं कि औरत अंतिम दिनों में बहुत बड़ा पार्ट अदा करती है? क्या आप जानते हैं कि बाइबिल ने कहा कि जो लोग इस नर्क-दंड से बच निकलेंगे वे प्रभु के सामने सुन्दर डाली होंगे? किसी दिन मैं इसे बताऊँगा, यदि प्रभु ने चाहा तो, क्योंकि यह— आप महिलाओं के लिए. आपको बताऊँगा कि परमेश्वर ऐसे औरतों के बारे में क्या सोचता है जो आज के नर्क-दंड से बच गईं. उसने कहा कि वह सुन्दर होगी.

167 पिछले दिन मैंने एक औरत को एक लड़की पर हँसते देखा—

अधनंगी औरतें जिनकी नैतिकता एक कुतिया से भी गिरी थी, वे एक बूढ़ी औरत पर हँस रही थीं जो लम्बे लिबास में थी. इधर सुनो, बिगड़ी हुई स्त्री, उसके पास एक ऐसी चीज है जिसके बारे में तुम कुछ नहीं जानती; उसके पास नैतिकता है. तू उसका नाम तक नहीं जानती. तुमने लगभग पलने में ही इसे खो दिया. तुम यह भी नहीं जानती कि क्या ठीक है और क्या गलत; वह जानती है उसके दिल के भीतर छिपी एक चीज है जिसके बारे में तुम कुछ नहीं जानती. तुमने उसे खो दिया. कभी पा नहीं सकती. तुम उसको पुराने ढंग की कहती हो, और न जाने क्या-क्या. वह उस चीज को जानती है जिसके बारे में तुम कुछ नहीं जानती. उसने अपने हृदय के भीतर शालीनता का भंडार छुपा है. तुम इसके बारे में एक शब्द भी नहीं जानती तुम्हारी माँ ने इसी तरह से तुम्हारा लालन-पालन किया. तुम्हारे पास्टर ने इसकी इजाजत दी; इससे जाहिर होता है कि वह कहाँ पर है. मैं अभी यहीं उसके बारे में प्रचार कर रहा हूँ. समझे? आप देख रहे हैं कि आप कहाँ पर है? कलीसियाएँ....

168 यीशु ने कहा कि धर्मग्रन्थ का यह शब्द पूरा होना अवश्य है; और यह पूरा होता है.

169 गौर कीजिए, जिस तरह यन्नेस और यम्ब्रेस ने भी मूसा का विरोध किया, वह जरूर आयेगा.... उनमें से कुछ ... वह नहीं ... नहीं, वह मेंथोडिस्ट, बैप्टिस्ट लोगों के बारे में नहीं कह रहा है; उनकी तो इसमें कोई बात ही नहीं है. समझे? बल्कि जिस तरह यन्नेस और यम्ब्रेस ने मूसा और हारून का विरोध किया, इसी तरह वे करेंगे, ये ऐसे मनुष्य हैं जिनकी बुद्धि सच्चाई के संबंध में भ्रष्ट हो गई है वे बाइबिल की जगह कलीसिया के सिद्धांतों में भटक गए हैं. तो भी यन्नेस और यम्ब्रेस वे सब कुछ कर सकते थे जो मूसा

कर सकता था. क्यों? जिस तरह यम्ब्रेस (यहाँ समानान्तर देखते हैं?) —जिस तरह यन्ब्रेस और यम्ब्रेस ने मूसा का विरोध किया इसी तरह सच्चाई के संबंध में निकम्मे ये लोग इसका विरोध हैं, इसे अपने पास नहीं फटकने देंगे, इसके साथ सहयोग नही करेंगे, इसके साथ कोई सरोकार नहीं रखेंगे. लेकिन कहा गया, "उनकी बेवकूफी प्रकट होगी." जब दुलहन अपनी जगह ले लेगी और आकाश में उठ जाएगी, तो यह प्रकट हो जाएगा, चिन्ता मत किजिए. जिस प्रकार मूसा, जब वह इस्राएल के बच्चों को ले गया, मिस्र के बाहर भगा ले गया, और मिस्र डूब गया. बिलकुल ठीक.

170 यीशु ने कहा कि संपूर्ण धर्मग्रन्थ प्रेरणा के द्वारा दिया गया; इसलिए— कि संपूर्ण वचन अवश्य पूरा हो. जब वह.... पूछ रहा था, कहा, "तुम अपने को परमेश्वर करार देते हो."

171 उसने कहा, "अपने नियम में जिन पैगम्बरों के पास प्रभु का वचन आया तुमने उन्हें ईश्वर कहा; और वे [ईश्वर] हैं." कहा, "तो तुम मुझे किस प्रकार दोषी ठहरा सकते हो जब मैं कहता हूँ कि मैं परमेश्वर का पुत्र हूँ?" प्रेरणा के द्वारा जो ये वचन दिए गए हैं इसका सब कुछ प्रकट होना है, इसका सब कुछ पूरा होना है. वहाँ देखिए, वे इतने अंधे थे, वे परमेश्वर के वचन के बदले लोगों की बातों में रम गये थे. यही बात औरतों से वह सब कराती है. यही बात प्रचारकों से भी वह कराती है. वे यीशु की जगह बिशप में खोए हैं. वे इसमें लगे हैं— अपने बटुए, अपनी बड़ी भक्त-मंडली के साथ.

172 जरा देखिए कि मैं लोकप्रिय हूँ कि नहीं. लोगों को जेफर्सनविल से बाहर ले जाइए जेफर्सनविल का जो छोटा ग्रुप है उससे जेफर्सनविल से बाहर के लोगों को आज सुबह मंडप से बाहर ले जाइए, प्रचार करने को मेरे पास आधा दर्जन भी नहीं बच जाएँगे यह क्या है? वह सारे देश के लोगों से

बनी है, न्यूयार्क से मैसचुसट्स, बॉस्टन, मेइन, समुद्र तक, जॉर्जिया, अलबामा, और देश के चारों ओर. वे एक साथ जमा हो रहे हैं, आमीन! क्या है....

शाम के समय उजाला होगा.

173 वे शाम की रोशनी को नहीं पहचान सकते; यही बात है. वह इसे नहीं पहचानती. वह बिलकुल अंधी है. बाइबिल ने कहा वह अंधी है.

174 रूस ने विज्ञान की दुनिया में कोई चालीस साल पहले अपना स्थान पाया आप जानते हैं जब पहला विश्व युद्ध हुआ उनलोगों ने कभी— उनलोगों ने रूस की परवाह नहीं की. ब्रदर रॉय, वे मुट्ठी भर अज्ञान लोग थे बड़े-बूढ़े साइबेरियावाले, उनके मुँह पर दाढ़ी थी और वे नहीं जानते थे कौन दाहिना हाथ है और कौन बायाँ. ठीक है. रूस. लेकिन उसने अपनी जगह पहचानी. वचन को पूरा करने के लिए उसे यह करना था. आप जानते हैं मेरी भविष्यवाणियाँ कि किस प्रकार वे सब साम्यवाद में जमा होंगे. वह इस समय विज्ञान में संसार में आगे है हमलोग उससे काफी पीछे हैं संसार के बाकी लोग उससे पीछे है. वह अगुआ है. उसने अभी-अभी पहचाना कि उसके पास कुछ दिमाग भी था.

175 गौर कीजिए मनुष्य के पास वे ही छः ज्ञानेन्द्रियाँ हैं जो छः हजार साल पहले थीं. छः हजार साल पहले इन ज्ञानेन्द्रियों के द्वारा उसने पार्थिव घर से सबध रखा था और परमेश्वर की सेवा करता था और अब पिछले पचहत्तर वर्षों में वह आदमी घोड़े और बग्गी से अंतरिक्षयात्री बन गया है. क्यों? वह परमेश्वर में अपने विश्वास को छोड़कर एक प्राणी के रूप में अपनी ज्ञानेन्द्रियों और

अपनी योग्यता की ओर फिर गया है. आपने देखा उसने परमेश्वर पर भरोसा करना छोड़ दिया; वह खुद पर भरोसा करता है.

176 वाशिंगटन के इस अविश्वासी औरत की तरह (क्या नाम है उसका?) जिसने यह सब कुछ बदल दिया? [कोई उस औरत का नाम बताता है—सं.] क्या नाम है उसका? मरी. उसने कहा, "जब तक हमारे पास थल-सेना और जल-सेना हैं, हमें उस बूढ़े यहोवा की जरूरत नहीं!" मैं परवाह नहीं करता कि क्या सब हमारे पास है, मेरे लिए तो यहोवा नहीं तो कुछ नहीं. डूबे-धंसे थल-सेना और जल-सेना— और डूबेगी ही, किन्तु यहोवा हमेशा-हमेशा बना रहेगा. और जब तक मैं उसका और उसके बेटे का अंश हूँ, मैं भी उसके साथ हमेशा-हमेशा बना रहूँगा, अपने बुलावे या पसंद से नहीं बल्कि उसकी पसंद से. आमीन और आमीन! मुझे इससे कोई सरोकार नहीं. वही एक है. मुझे उसे दो या फिर मौत. राष्ट्रों का उत्थान हो या पतन; यहोवा बना रहेगा. उसने युग-युग से यह सब किया है. जब रोम का पतन हुआ, जब मिस्र का पतन हुआ, और बाकी सब का पतन हुआ; और वह अब भी यहोवा बना हुआ है. ओह, हल्लिलूय्याह! मैं धर्मनिष्ठ महसूस करता हूँ.

177 रूस क्योंकर होश में आया, उसे आना ही था. ठीक वैसे ही जैसे इस्राएल को स्वदेश लौटना ही था. तूरहियों के [पर्व] के लिए. परमेश्वर को इस्रायल को वापस स्वदेश खदेड़ना ही था. और इसी तरह परमेश्वर को भी रूस को वहाँ खदेड़ना ही था, कम्युनिज्म में, ताकि उसके बारे में जो भविष्यवाणी की गई थी वह ठीक से पूरी हो.

178 मनुष्य और उसकी छः ज्ञानेन्द्रियाँ उसके घोड़े और बग्घी के साथ-साथ चली है, परमेश्वर पर भरोसा करते हुए. पिछले पचहत्तर

वर्षों में उसने परमेश्वर पर भरोसा करना छोड़ दिया. उनलोगों ने जब इस संयुक्त राज्य के संविधान पर दस्तखत किया तो उनलोगों ने हर काम में परमेश्वर को जगह दी. अब तो उनलोगों की सभा भी नहीं होती और न तो वे कभी उसका नाम ही लेते हैं सचमुच. वे अपने विज्ञान के बड़प्पन पर भरोसा करते हैं, वे— अपने विज्ञान की धूर्त्तता पर. लम्पट लोगों की जमात. बिलकुल ठीक. सारी दुनिया बाइबिल के अज्ञान में डूबी है. सारी दुनिया परमेश्वर से मुँह मोड़ चुकी है. लेकिन जरा सोचिए, ठीक उन सब के बीच, और कलीसिया के सम्प्रदाय और उनके शिक्षालयों की अनैतिकता वगैरह के बीच परमेश्वर ने अपने पैगम्बर के वचन को लेकर, उससे काटकर, एक दुलहन बनाया है .... ? .... उसने कहा कि वह ऐसा करेगा. उसने उस चीज से वह काट निकाला है जिसका उसने वादा किया था.

179 वे अपनी मानवीय बुद्धि पर भरोसा करते हैं, अपने मानवीय विज्ञान वगैरह का, परमेश्वर को छोड़कर, जिसका कि वह एक दिन भरोसा करता था. संयुक्त राज्य ने परमेश्वर को बाहर छोड़ दिया है. उन्होंने उसे स्कूल से बाहर निकाल दिया, ताकि हमारे नन्हे-मुन्ने उसके बारे में सुन भी न सकें उन्होंने उसे स्कूल से बाहर कर दिया है. अब वे उसे डॉलर पर से भी हटाने की कोशिश में हैं, "हम परमेश्वर पर भरोसा करते हैं" वे उसे झंडे के प्रति निष्ठा के वचन से भी निकालने जा रहे हैं., "परमेश्वर के अधीन एक राष्ट्र"; वे उसे भी हटाने जा रहे हैं.

180 देखिए, वे अपनी धारणाओं और अपनी ज्ञानेन्द्रियों के पीछे चले गये हैं क्योंकि पिछले पचहत्तर वर्षों में वह अपनी ज्ञानेन्द्रियों में थोड़ा भी नहीं बदला है, अब भी वह ठीक वही मनुष्य है जिसे परमेश्वर ने शुरू-शुरू में बनाया था. लेकिन इन अंतिम दिनों में,

क्या आप नहीं पहचान सकते कि हम कहाँ पर हैं? और कलीसिया परमेश्वर से विमुक्त हो चुकी है, वचन की जगह शिक्षालय, अनुभव वगैरह की ओर. अपनी सभाओं, स्कूलों या किसी और बात में उसे स्वीकार तक नहीं करती.

181 पिछले पचीस साल में इस्त्राएल ने पहचाना है कि किसी चीज ने उसे स्वदेश ला दिया हैं, जैसा कि वादा किया गया था. वे नहीं जानते किस प्रकार यह हुआ. उन्होने तरह-तरह की यातनाएँ सहीं, उन तुरहियों के दरम्यान शहादत, लेकिन वे स्वदेश में हैं, वे नहीं जानते क्यों.

182 रूस क्यों जागा? देश-देश में जागरण क्यों हुआ? मनुष्य उपलब्धि क्यों कर सका है, जबकि वैज्ञानिक तीनसौ साल पहले.... एक फ्रांसीसी वैज्ञानिक ने एक गोले को एक विशेष गति से धरती के आर-पार लुढ़काया, और वैज्ञानिक अनुसंधान के द्वारा साबित कर दिया कि अगर मनुष्य तीस मील की प्रति घंटे की भयावह रफ्तार से चले तो गुरुत्वाकर्षण उसे धरती से ऊपर उठा लेगा. उसके वजन के मुताबिक, गेंद के वजन के मुताबिक. अब वह प्रति घंटे सत्रह हजार मील की दर से चल रहा है, तो भी उसमें बढ़ोत्तरी की कोशिश कर रहा है. उसने हाल ही में इसे पहचाना क्यों? ऐसा ही होना है.

183 क्यों, कलीसिया पहले—यीशु मसीह रुपी चट्टान पर खड़ी थी. चाहे कोई कुछ भी कहता वे उस वचन पर टिके रहते. उस घड़ी के सदेश पर, लूथर, वेस्ली, और वहाँ तक. और अब वे फिर परम्पराओं की ओर मुड़ चुके हैं! ऐसा क्यो?

184 पिछले पचीस वर्षों में इस्त्राएल ने अभी—अभी पहचाना है कि वे अभी किसी चीज के लिए अपने देश में हैं. ऐसी भविष्यवाणी

की गई थी कि उन्हें फिर एकत्र होना है; होशे ने ऐसा कहा. हमने कुछ ही देर पहले इसे पढ़ा. परमेश्वर उसे समझने में हमारी सहायता करे. ठीक है.

185 ठीक उसी समय दुलहन ने शाम के प्रकाश को पहचाना है, पहचानने लगी है. लालायित पिन्तेकुस्तल लोग पहचानने लगे हैं कि उन संगठनों के पास वे चीजें नहीं जिनकी उन्हें तलाश है. वे बहुत ही टेढ़े-मेढ़े और टूटे-फूटे हैं. देखिए, यह पहचान का वक्त है. आपको पहचानना है. दुनिया ने पहचान लिया है राष्ट्रों ने पहचान लिया है. विज्ञान ने पहचाना है. शैतान ने पहचाना है; यह वह समय है जब वह औरतों का सत्यानाश कर सकता है, कलीसिया को तबाह कर सकता है, लोगों को बरबाद कर सकता है उसने इसे पहचान लिया है. और परमेश्वर ने पहचाना है कि धरती पर कुछ लोग हैं जिनको उसने जीवन के लिए पहले से ही ठहराया है. उसने पहचाना कि अपना संदेश भेजने का यही समय है; उसने भेजा. लोगों ने पहचाना है. दुलहन के समय ने शाम की रोशनी का स्पष्ट अनुभव किया है.

186 अगर सदोम ने अपने दिन को पहचाना होता जब उसने उन दूतों को वहाँ उतरते देखा, जिस प्रकार बिलीग्राहम और ओरल रॉबर्टस....

187 फिनिक्स में कोई लम्पट व्यक्ति उठा और कहा— टेप के उस हिस्से को बजाया और कहा .. मैंने यहाँ पर कहा, "मुझे अवश्य ही यीशु के नाम से बपतिस्मा लेना है," ऐसा कहा. और तब कहा, "अब आप देखते हैं यहाँ, यहाँ पर उसने कहा, ..." जब मैं अफ्रिका के बारे में कह रहा था कि वे किस प्रकार मुँह को आगे-पीछे करके तीन बार बपतिस्मा देते थे. उसने कहा कि मैंने कहा था. "इससे कोई फर्क नहीं पड़ता." देखिए उसने बाकी टेप बजाया ही

नहीं, सिर्फ वही भाग, और तब उसे बंद कर दिया, ऐसा करना दंडनीय अपराध था; उन टेपों का अधिकार बिलकुल सुरक्षित है. कोई उनमें गड़बड़ी नहीं कर सकता. आप, बेहतर होगा, गड़बड़ी न करें. अगर आप करेंगे तो कानून आपको पकड़ेगा. लेकिन क्या हम ऐसा करेंगे? नहीं. उसने कहा, "उन्हें चुपचाप छोड़ो." परमेश्वर ने मुझसे कहा कि क्या होने जा रहा है. आप सिर्फ देखिए, उस व्यक्ति पर नजर रखिए. समझे?

188 ठीक उसी समय दुलहन ने शाम की रोशनी को पहचान लिया है. अगर सदोम ने अपने समय को पहचाना होता.....

189 इसी व्यक्ति ने टेप पर लगाया, कहा, "देखिए, पिन्तेकुस्तल लोगो, बैप्टिस्टो यह आदमी झूठा नबी, विलियम ब्रैनहम (देखते है?) ने कहा कि ओरल रॉबर्ट्स और बिलीग्राहम सदोम में हैं." समझे? और इसके बाद टेप को ऑफ कर दिया बस. आपने देखा? उसने वह नहीं बजाया जिसमें कहा था कि वे सदोम के दूत हैं. सदोम में नहीं; वे सदोम को भेजे गए दूत हैं. हर कोई जानता है मैंने यह कहा था. अपना टेप बजाइए. जो कोई भी जोड़ेगा या घटाएगा, उससे वह ले लिया जाएगा. समझे? अगर यह प्रभु का वचन है तो वह उसी तरह है

190 "अगर सदोम ने अपने दूत को पहचाना होता, आज वह कायम रहता" यीशु ने कहा. अगर उसने इब्राहीम की तरह पहचाना होता. इब्राहीम जानता था कि प्रतिज्ञात पुत्र आने को था. लेकिन वह जानता था कुछ परिवर्त्तन होना ही था, क्योंकि वह बिलकुल बूढ़ा था और सारा भी. लेकिन जब उसने उसको देखा जो अपने पीछे खड़ी सारा के विचारों को पहचान सकता था, उसने उस घड़ी को पहचान लिया जिसमें वह जी रहा था, और कहा, 'मेरे प्रभु, मुझे थोड़ा जल लाने दीजिए और अपने पाँवों को धोने दीजिये."

उनलोगों ने रोटी का एक टुकड़ा खाया. "मेरी प्रार्थना सुनिए, थोड़ी देर और ठहर जाइए." देखा? "यहाँ मेरे प्रभु (बड़ा एल-ओ-आर-डी, इलोहिम.) उसने पहचान लिया कि संदेह परमेश्वर बातें कर रहा था. उसने अपने चिह्न को पहचाना, और प्रभु ने उसे आशिष दी. सदोम ने अपने दिन को नहीं पहचाना और जलकर राख हो हो गया. यीशु ने कहा, "जैसा उन दिनों में था, वैसा ही होगा जब परमेश्वर का पुत्र— जब परमेश्वर का पुत्र प्रकट किया जा रहा है."

191 कलीसिया ने अपने दिन को नहीं पहचाना है. पलश्तीन में खदेड़े गए इस्राएल की तरह वह भी कलीसियाओं के विश्व-परिषद् में खदेड़ दी गई है. क्यों? उसने अपनी घड़ी को नहीं पहचाना. लोगो, उससे बाहर निकलो! उसके पाप में भागीदार मत बनो! अपनी जान बचाकर भागो, नहीं तो पशु के चिह्न के साथ पकड़े जाओगे, और तुमलोग इस संबंध में और कुछ कर नहीं सकते. जो नापाक है, वह नापाक ही बना रहे. जो पाक है; वह पाक ही बना रहे— पाक इस समय ... जो पाक है, अधकटे बालोंवाली औरत नहीं; वह हो नहीं सकती. बाइबिल कहती है कि वह अपने सिर का अपमान करती है. और उसका सिर उसका पति है. उसका [पति का] सिर मसीह है; इसलिए वह मसीह का अपमान करती है कैसे हो सकता है कि वह कुत्सित हो और गंदी न हो? जिसके अधकटे बाल हों वह रखे! वह जो जांघिया पहनती है वह पहनती ही रहे! जो वचन को अस्वीकार करता है करता ही रहे! लेकिन जो पाक है पाक ही रहे! जो धर्मात्मा है धर्मात्मा ही बना रहे, परमेश्वर का धार्मिक वचन, प्रत्यक्ष परमेश्वर का पुत्र. अब भी पाक रहो, धर्मात्मा रहो, पहचानो, जो हो!

192 दिन.... नहीं.... कलीसिया ने अपने दिन को नहीं पहचाना

है, जिस प्रकार इस्राएल ने जो फिर प्रतिज्ञात देश में है. वह नहीं जानती वह किस प्रकार वहाँ पहुँच गयी. वह यों ही अपने-आप वहाँ रख दी गई. क्यों? राष्ट्रीय शक्ति ने उसे अपनी जगह ला रखी. अब मैं एक बात कहने जा रहा हूँ. राष्ट्रीय शक्ति ने इस्राएल को स्वदेश में ला रखा. राष्ट्रीय शक्ति कलीसिया को कलीसियाओं के विश्व-परिषद् में ला रखेगी. लेकिन परमेश्वर की शक्ति लोगों को दुलहन में ला रखेगी. दुनिया इस ओर धकेलती है, और दुनिया उस ओर धकेलती है, लेकिन परमेश्वर ऊपर की ओर धकेलता है, परमेश्वर का आत्मा, जो परमेश्वर का वचन है ("मेरा वचन आत्मा है और जीवन दुलहन को अपनी जगह ला रखेगा, क्योंकि वह वचन में अपने स्थान को पहचानेगी; तब वह मसीह में है." जो उसे अपने स्थान पर ला रखेगा. राष्ट्रों की कोई शक्ति ऐसा नहीं कर सकती. लेकिन राष्ट्रों की शक्ति ने इस्राएल को स्वदेश में ला रखा. कलीसियाओं की परिषद् को राष्ट्रीय शक्तियाँ सभी संगठनों को उसमें डाल देगी, लेकिन परमेश्वर की शक्ति दुलहन को उठाकर महिमा में लायेगी, इसके बाहर.

193 लोगो, अपने दिन को पहचानो, जैसा यीशु ने तुम्हें चेतावनी दी, सदोम के चिह्न और कलीसिया की वर्तमान परिस्थितियों के द्वारा.

194 देखिए उसने क्या कहा कि इस दिन में घटित होंगे. ध्यान से सुनिए. इस दिन में सदोम का चिह्न होगा, उस दिन सदोम में इब्राहीम की तरह जिसे बाहर सुला लिया गया. वे सभी बातें जिनकी भविष्यवाणी की गई थी इस समय घटित होंगी. उस दिन को देखिए जिसमें आप रह रहे हैं. हमने इसका बार-बार बयान किया.

195 उसने आज के दिन बोये जानेवाले वचनरूपी बीज : को पकने

के लिए स्वर्गिक प्रकाश भेजने का वादा किया है. बीज इसमें है. बीज बाइबिल है. क्यों? यीशु ने ऐसा कहा : "वचन ही वह बीज है जो बोनेवाला बोता है." और आपको कोई फसल हो सके चाहे आप बीज बोयें, उस बीज को पकने के लिए प्रकाश चाहिए ही, वरना वह सड़ जाएगा और कोई लाभ न होगा; यह नष्ट हो जाएगा. लेकिन अगर जमीन में बीज हो, सही किस्म की जमीन में उस पर सही किस्म के सूरज की रोशनी के साथ, तो इसे पकना ही है. और इन अंतिम दिनों में उसने यह वादा किया कि शाम के समय बीज को पकाने के लिए सूरज निकलेगा. बीज का प्रचार किया जा रहा है. परमेश्वर का पुत्र उसको प्रमाणित करने के द्वारा बीज को पका रहा है, आपके सामने उसे निकालकर और प्रमाणित करके कि यह ठीक है. आप समझते हैं? अपने दिन को पहचानिए.

मैं अब खत्म कर रहा हूँ. खत्म करने का समय हो गया है.

196 और धनी, अंधी और पढ़ी-लिखी लौदीकिया अपने बीच से वचन को निकाल देगी. क्या उसने ऐसा किया है? उसने कहा कि वे करेंगे. जिस तरह प्राचीन काल के नबी लोगों को उन दिनों के प्रतिज्ञात वचन को प्रमाणित करने के लिए भेजा जाता था, ताकि उन दिनों में जो लोग ठहराए गये थे उसे देख सकें. कुएँ पर की उस औरत की तरह, नातान की तरह, अंधे बरतिमाई की तरह, पतरस की तरह, और बाकी लोगों की तरह जिन्होंने उसे पहचाना.... वही वह वचन और प्रदर्शन था. "अगर मैं वह काम नहीं करता हूँ जो पिता ने वादा किया था कि मैं करूँगा तो मेरी प्रतीति मत करो. लेकिन अगर मैं उन कामों को करता हूँ, तो हालाँकि तुम मेरी प्रतीति नहीं करते, उन कामों की तो प्रतीति करो; वे तुमको बताते हैं कि मैं कौन हूँ." समझते हैं? बहुत खूब! इस दिन को चूकिये मत. अन्य दिनों के स्त्री-पुरूषों ने इसे पहचाना, वे अन्दर दाखिल हुए,

और सुरक्षित रहे.

197 पिन्तेकुस्तल लोगो (ओह, मेरे!), आप अपने दिन को क्यों नहीं पहचानते? शाम के समय के दिन को पहचानें. यह वही समय है— मसीह के आने का सबूत देता हुआ, प्रमाणित करता हुआ. हमलोग अंत समय में हैं. अपने दिन को पहचानें.

198 मैं जानता हूँ मैंने आपको काफी देर तक रोक लिया है. इस समय बारह बजे हैं. लेकिन मुझे यह खुराक अच्छी लगती है. यह जीवन है; यह— यह विश्वासी के लिए है. जिस दिन में रह रहें हैं उस दिन को और समय के चिह्न को पहचानिये.

199 देखिए कि हर चीज कहाँ पर है, इस्राएल, कलीसिया, व्यभिचारी लोग, और दुलहन कहाँ पर खड़ी हैं. बाकी क्या बचा है, अगली चीज? दुलहन का ऊपर उठाया जाना. दरअसल हर कलीसिया किसी बड़ी घटना की प्रतीक्षा कर रही है. पिन्तेकुस्तल कहते हैं, "परमेश्वर की महिमा हो! एक दिन आएगा कि वे यह करेंगे, वह करेंगे." देखिए वे लोग खुलेआम कहनेवाले हैं. वे प्रतीत करते हैं.

200 जिस प्रकार एक बार कैफा ने कहा, "क्या यह मुनासिब नहीं कि सारा राष्ट्र (गण्ट) न हो बल्कि एक व्यक्ति ही मरे?" वह महायाजक था, बाइबिल ने कहा, यही वजह थी कि उसने ऐसा कहा था. बिना जाने हुए कि वह क्या कह रहा था उसने भविष्यवाणी की. लेकिन क्या उसने गूढ़ सत्य को पहचाना था, कि वह परमेश्वर की बलि दे रहा था जिसका महायाजक होने का वह दावा करता था? आज भी ऐसा ही है! वे कहीं और देख रहे हैं— किसी महान् समय के आने के लिए.

201 क्यों, जब मैं व्यवसायी लोगों के सम्मेलन वगैरह में जाता हूँ तो लोग कहते हैं, "परमेश्वर की महिमा हो!" प्रचारक लोग खड़े होते हैं और लोगों के बीच यह कहते हुए सनसनी फैला देते हैं, "एक बड़ा नवजागरण आ रहा है. प्रभु का हाथ पृथ्वी पर आने को है!," लोग कैसे आ-जा रहे हैं, दौड़ते हुए मानो.... वे महसूस नहीं करते कि यह इस्राएल के लिये तुरहियों के मातहत होना है. वे ऐसा क्यों करते हैं? इस लिए कि वे मसीह को माननेवाले हैं और महसूस नहीं करते. न तो काइफा ने महसूस किया कि वह क्या कर रहा था. और वे लोग भी महसूस नहीं करते कि वे उस संदेश को ठुकरा रहे हैं जो उनके पास भेजा गया है. आमीन!

202 हमलोगों ने धर्मग्रंथ के एक-एक भाग की परीक्षा की, दिन-दिन और हफ्ते हफ्ते, जब तक कि सच्चाई निर्विवाद नहीं हो गई. "अगर अंधे इसे ग्रहण नहीं कर सकते," यीशु ने कहा, "तो उन्हें छोड़ो. अगर अंधा-अंधे को राह दिखाता है तो वे सभी खाई में गिरते हैं." मैं नहीं जानता कब; मैं नहीं जानता कहाँ पर; लेकिन मैं जानता हूँ यही होने जा रहा है.

203 आप जानते हैं, मैं समझता हूँ क्यों शैतान ने नहीं चाहा कि मैं इसे करूँ. कल मुझे बहुत बुरा लगा. मैं प्रभु से कोई वचन न पा सका. मुझसे जो-जो बन पड़ा किया, किन्तु मैं नहीं .. और आज सुबह जब मैं उठा ... मैंने खाया— कल कुछ मकई, और लगा, मेरे पेट में ठीक वैसे ही पड़ा हुआ है. मैं इस कदर बीमार था कि मैंने सिर्फ— मैं मुश्किल से उठ सकता था. मैंने सोचा, "आखिर बात क्या है? मैं वहाँ चल रहा हूँ और नहीं जानता कि मुझे क्या कहना है. और हे प्रभु, लिखने के लिए दिमाग में एक पद भी नहीं आ रहा है; मुझे कुछ मिल भी नहीं रहा है." मैं नहीं

जानता था कि मुझे क्या करना है. जब संदेश मेरे पास आने लगा, शैतान कहता रहा, "तुम्हारी तबियत खराब है. तुम्हारे माथे में दर्द हो रहा है. तुम बीमार हो. तुम वहाँ नहीं जा सकते. तुम वहाँ खड़े नहीं हो सकते. यह होने जा रहा है, वह होने जा रहा है."

204 मुझे याद आता है एक बार एक इंगलैंड के लंदननिवासी की कहानी. वह एक बिलकुल मामूली आदमी था. और लोगों ने कहा कि राजा, उन प्राचीन दिनों के राजाओं में से एक, अपने महल में जा रहा था. और यह .... उसका कोई न था .... उसे एक संदेश पठाना था, बहुत जरूरी संदेश, क्योंकि दुश्मन .... सो वहाँ खड़े एक व्यक्ति को कहा, "लो, इस संदेश को लो! इस संदेश को लो! जल्दी अमुक जगह में जाओं और ऐसा करने की आज्ञा दो." और उसने कहा, "अपने हाथ में यह राजदंड लो; यह प्रमाणित करेगा कि मेरे द्वारा तुम भेजे गए हो."

205 और उसने उसे अपने वस्त्र के नीचे लगा लिया, वह चला गया, संतरी वगैरह हर कहीं उसे रोकते, मगर वह चिल्लाता, "जाने दो! मेरे पास राजा का संदेश है. मैं राजा का दूत हूँ." प्रमाणित वचन!

206 मैंने सोचा, "शैतान, मेरे रास्ते से हट जाओ! मेरे पास राजा का संदेश हैं. मुझे जाना अवश्य है."

207 एक बार जब उनलोगों ने शांति के राजकुमार को मार डाला, और उसे कब्र में रख दिया, और उसकी कब्र पर मुहर लगा दी, और मौत ने उसे तीन दिन और तीन रात रखा, लेकिन ईस्टर की सुबह उसके हाथ में राजदंड था और वह चिल्लाया, "मौत, भागो! कब्र, दूर हटो! खुलो! मैं राजा का संदेश हूँ. मुझे इस पुनरूत्थान को प्रमाणित करने जाना है. मैं पुनरूत्थान और जीवन हूँ." हल्लिलूय्याह! मुझे यह सब बहुत अच्छा लग रहा है.

यह राजा का संदेश है. दोस्तों, हम इसे पहचानें, क्योंकि हमलोगों को तुरही के बजने के लिए एक जगह इकट्ठा किया गया हैं. क्योंकि प्रभु की तुरही बजेगी और समय न रहेगा.

208 उसने इस्राएल को जमा किया है. वे तीन दिन— उसने कहा कि तीसरे दिन वह उन्हें जमा करेगा. सत्ताईस सौ साल गुजर चुके हैं. उसने कहा कि तीसरे दिन वह उन्हें एकत्र करेगा और उसने एकत्र किया है. उसने कहा कि वह जीवन के रास्ते को प्रकट करेगा. यह रहा, इन्तजार है सिर्फ दुलहन के राह से हटने की ताकि वे आ सकें. वे दो नबी, इस्रानी नबी, जो पहचानेंगे ....

209 आपको याद है मैं कैरो में खड़ा था वहाँ जाने को, जब लेवी पेतरस ने कहा, "भाई ब्रैनहम, अगर वे कभी देखेंगे कि .... वे नबियों पर विश्वास करते हैं."

210 मैंने कहा, "मेरे लिए यह एक अच्छी बात है." देखते हैं आदमी कैसा है? लेकिन परमेश्वर की कृपा देखते हैं? मैंने कहा, "मैं यह नया नियम पढ़ूँगा." उनलोगों ने इसे पढ़ा. लेवी ने उनलोगों को एक लाख से ज्यादा प्रतियाँ भेजी थीं, स्वीड्न के लेवी पेतरस ने. उनलोगों ने इसे पढ़ा था, वहाँ आते-जाते, उन यहूदी लोगों ने—आजकल के यहूदी लोगों की तरह नहीं, बल्कि अपने देश में.... वे लोग आए और बोले, "अगर यह मसीहा है तो वह हमलोगों को नबी का चिह्न कर दिखाए, हमलोग इस पर विश्वास करेंगे."

211 लेवी पेतरस ने कहा, "भाई ब्रैनहम, वहाँ मौका है, वहाँ मौका है! किसी ने मुझसे कहा कि वहाँ मौका मिलेगा. वहाँ घुड़-सवारी की है," उन्होंने कहा, "ठीक वहाँ तक,"

एक आदमी आया और ब्रदर अर्गनब्राइट के साथ बैठा,

कहने लगा, "भाई ब्रैनहम, इससे इस्राएल एकदम चौंक उठेगा! उनलोगों को इसके सामने लाइए और नबी का चमत्कार दिखाइये, वे विश्वास करेंगे."

212 मैंने कहा, "प्रभु, मैं तैयार हूँ." फुर्ती से हवाई जहाज पर चढ़ गया (पैसा लिया और अपने लिये टिकट खरीदा); कैरो में रूका; कहा, "हाँ मैं तैयार हूँ."

213 पवित्रात्मा ने कहा, "तुम्हारी जगह यहाँ नहीं. तुम्हारा वक्त यह नहीं." समझे? तुम अपने वक्त से पहले जा रहे हो. मैंने सोचा, "ओह, मैं यहाँ तक आया, और मैं—मै जाऊँगा."

214 किसी ने कहा, "यहीं रूक जाओ! उस रास्ते से मत जाओ. भारत की ओर मुड़ो. मत जाओ .... भारत जाओ, मगर तुम वहाँ मत जाओ!"

215 सोचा, "क्यों ...." मैं विमानशाला के पीछे टहलने लगा, "प्रभु यीशु, इसका क्या मतलब है? तो उसने मुझपर जाहिर किया. हाँलाकि गैर-यहूदी .... ये नबी एक हैं. इसे धर्मग्रन्थ के अनुसार होना है. मूसा और एलिय्याह को आना है. और इसके अलावा अभी दुलहन को ले जाया भी नहीं गया है. और वे नबी लौटेंगे, और वे नबी का चमत्कार करेंगे धर्मग्रन्थ ऐसा कहता है. वहाँ सब कुछ ठीक-ठीक पूरा होगा. राष्ट्र के रूप में इस्राएल एक दिन में उठ खड़ा होगा.

आमीन! शाम का प्रकाश चमक रहा है.
लगभग शाम के समय उजाला होगा,
निश्चय ही तुम महीमा के रास्ते को पाओगे;
आज रोशनी जलमार्ग में है,

यीशु के बहुमूल्य नाम में गड़ा हुआ.
जवान और बूढ़े, सभी अपने पापों के लिए पश्चात्ताप करो,
पवित्रात्मा निश्चय प्रवेश करेगा.
शाम के प्रकाश आ चुके हैं.
यह पक्की बात है कि परमेश्वर और मसीह एक हैं.

216 हम सब अंतिम समय में हैं, दोस्तो. और तब हम प्रेरित लेखक के इस गीत के बारे में सोचते हैं जब उसने कहा :
राष्ट्र खंड-खंड हो रहे हैं : (लगभग पन्द्रह साल पहले की बात है.)
इस्राएल जाग रहा है;
नबियों ने इन चिह्नों की भविष्यवाणी की थी;
गैर-यहूदियों के दिन गिने-गूँथे हैं (इस समय उनकी गंदगी को देखिए)
बीभत्सता के भार से ग्रस्त.
लौटो, बिखरे हुए लोगो, अपनों के पास.
उद्धार का दिन निकट है;
मनुष्य का हृदय डर से अशक्त हो रहा है.
परमेश्वर के आत्मा से भर जाओ,
अपने दीये को साफ और दुरुस्त कर लो;
आँख उठाओ, तुम्हारा उद्धार निकट है. (सही है.)
झूठे नबी झूठ बोल रहे हैं;
परमेश्वर के सत्य को अस्वीकार कर रहे; (है न यही बात!)
यीशु मसीह हमारा परमेश्वर है. (वे ऐसा विश्वास नहीं करते. उनके पास तरह-तरह के "वाद" और क्या-क्या हैं....?.... लेकिन नबी ने कहा— यानी प्रेरित लेखक ने कहा :)
हमलोग चलेंगे जहाँ प्रेरित लोग चले थे.

217 याद है मेरा दिव्यदर्शन? मैंने कहा था, "अगर पौलुस के लोग प्रवेश करेंगे तो मेरे लोग भी प्रवेश करेंगे, क्योंकि मैंने ठीक उसकी तरह किया." ...? ...

और लाखों ने अपने हाथ उठाये, कहने लगे, "हमलोग उसी पर निर्भर हैं!" क्या? उस दिन को पहचानिये जिस दिन में आप रह रहे हैं उस समय को पहचानिये जिसमें आप रह रहे हैं, जिस समय में रह रहे हैं उसके चिह्न को. हम जितना सोचते हैं उससे अधिक देर हुई होगी. इन्हीं में से किसी दिन जो बाहर है उसे बाहर ही रहने दो. जो भीतर है वह हमेशा के लिए भीतर ही रहेगा, दरवाजा बंद होगा.

218 अगर आज सुबह यहाँ कोई है जो अब भी भीतर नहीं आया है, ओह, यीशु के नाम में, मेरे प्यारे लोगो, यहाँ खड़े इस अज्ञानी, निरक्षर, अनपढ़, अशिक्षित सेवक को मत देखिए— उसको मत देखिए, बल्कि उस वचन को देखिए जो सिद्ध हो रहा है. उस महान् पवित्रात्मा को देखिए जो इसको सत्य प्रमाणित करता है. हमलोग शाम के समय में हैं. आप जितना सोचते हैं उससे कहीं अधिक देर हो चुकी है. मत....

219 औरतो, अपने बाल बढ़ने दें. बहन, वे गंदे कपड़े मेहरबानी करके उतार दीजिए. उन सिगरेटों को फेंक दीजिए. क्योंकि घड़ी आएगी कि जो गंदा है वह गंदा ही रहे, और जो धार्मिक है, धार्मिक ही बना रहे. जो भीतर है, भीतर ही रहे; जो बाहर है बाहर ही रहे. बिलकुल थोड़ा हाशिया, अगर धार्मिक व्यक्ति मुश्किल से बचाया जाएगा तो अधर्मी (सत्य को न माननेवाला, आप जानते हैं), वे कहाँ दिखाई देंगे? हम अपने-अपने सिरों को झुकाएँ.

220 अब, जिस घड़ी में हम रह रहे हैं उसके प्रकाश में, जिस दिन में हम जी रहे हैं उसके प्रकाश में, प्यारे परमप्रिय लोगो, आप जो देश के ओर-छोर से भिन्न-भिन्न राज्यों से, आते हैं, हमलोग, और आपके साथ मैं भी, उस वेदी पर लेखा-जोखा करें.

आज किस तरह परमेश्वर का आत्मा हमारे हृदयों में हैं? याद रखिए, यह वह आत्मा ही है जो निकम्मा नहीं ठहरता, दूषित नहीं ठहरता.... कलीसिया का हर शिक्षा, और हर चीज बिलकुल चौपट हो चुकी हैं.

221 आप उसमें कुछ जोड़ने या उसमें से कुछ निकालने का दुस्साहस न करें. क्योंकि अगर आप स्वयं इसकी व्याख्या करने की कोशिश करेंगे तो जीवन की किताब में से आपका हिस्सा निकाल दिया जाएगा. क्या आप कुछ ऐसी चीज कहने की कोशिश कर रहे हैं जिसे उस आत्मा ने नहीं कहा? क्या आप इससे कुछ ऐसा कहलाने की कोशिश कर रहे हैं जो उसने नहीं कहा, या आप ठीक उसी प्रकार ग्रहण कर रहे हैं जैसा उसने कहा और उसको ठीक उसी तरह रहने दे रहे हैं? क्या आप जोड़-जाड़ कर रहे हैं, काट-छाँट कर रहे हैं, टेप कर रहे हैं, या ऐसी चीजें कर रहे हैं जो ठीक नहीं? क्या आपने....

222 आप कहते हैं, "मुझे नहीं लगता है कि मुझे यह करना चाहिए या शायद मैं.... मैं— मैं जानता हूँ मेरी कलीसिया इसपर विश्वास नहीं करती. यह इसके बारे में महज एक आदमी का वचन है." वह एक आदमी परमेश्वर है. यहाँ पर बाइबिल कहती है कि आपको अपने बाल नहीं काटना चाहिए. ये... बाइबिल ने कहा कि ऐसा होगा कि औरतें मर्द जैसे कपड़े पहनेंगी, और किस प्रकार यह परमेश्वर के सामने घृणा की बात होगी. किस प्रकार पवित्रात्मा ने इस दीन-हीन अयोग्य पात्र के जरिए बात की जो संयोग से इस युग में विद्यमान् था, जब उस महान् राजा ने कहा, "यह मेरी कब्र, मेरा वचन हैं— बल्कि यह मेरा राजदंड है. मेरा राजदंड लो और जाओ संदेश लाओ."

223 मैं जानता हूँ कि सम्प्रदायों ने इसे रोकने की कोशिश की, इसका बहिष्कार करने की कोशिश की, इसे निकालने की कोशिश की, इसे ठुकराने की कोशिश की, और क्या कुछ; मगर परमेश्वर के अनुग्रह से मैं अपनी राह पर हूँ, देश-देश, जगह-जगह कलीसिया-कलीसिया, चीख रहा हूँ, "इससे बाहर निकलो!" बात अप्रिय है, किन्तु है सच.

224 क्या आप इसे उसी आत्मा से ग्रहण करेंगे, जिसमें इसे लिखा गया? क्या आप इसे उसी आत्मा से ग्रहण करेंगे जिसमें इसे दिया गया है? अगर आपने अब तक ग्रहण नहीं किया है तो हम—वेदी के लिए स्थान नहीं (आपका हृदय ही वेदी है), क्या आप अपना हाथ उठाएँगे, कहेंगे, "परमेश्वर मुझपर रहम कर. परमेश्वर का आत्मा मुझमें आए, मेरे सभी पापों और मेरी निराशाओं के लिए मुझे इस समय दोषी ठहराए, मेरी सभी बुरी आदतें, और तुनकमिजाजी, और उपद्रव, और झगड़ा, और मनमुटाव और जो कुछ मेरे पास है. और मैं एक बात जानता हूँ कि मेरी अन्तरात्मा स्वर्ग के लिए परिपक्व नहीं हैं. प्रभु, इस मुझे परिपक्व कर अंतिम घड़ी में. हो सकता हैं यह आखिरी प्रवचन हो जो मैं सुनूँगा. और हो सकता है आखिरी बार मैं यह संदेश सुनूँ. मैं अपना हाथ उठाता हूँ. परमेश्वर मुझपर रहम कर."

225 परमेश्वर आपको आशीष दें दर्जनों हाथ. अब, सिर्फ एक क्षण आपके लिए मौन प्रार्थना. आपने, जिन्होंने अपने हाथ उठाये, जाहिर हैं कि आप अब भी आकृष्ट हैं. मुझे लगता है जैसे आत्मा अब भी किसी को बुला रहा है.

226 प्यारे परमेश्वर, तू जो सब बातें जानता है. तूने सारी चीजें सारी चीजों के उद्देश्य से बनाई हैं. चूँकि कुछ को दोषी ठहराया

जाना ही था; कुछ को अंधा किया जाना ही था; कुछ, उस कुम्हार की तरह जिसने बर्तन बनाया, जैसा पौलुस ने कहा, एक आदर के लिए और एक अनादर के लिए. जिस एक को अनादर के लिए बनाया गया सिर्फ इसलिए कि उसको प्रकट करे जिसका आदर किया जाना है. लेकिन कुम्हार के हाथ में यह नहीं कि वह जो चाहे करे? क्या यह परमेश्वर की पूर्वनियत योजना में नहीं कि बुलाये.... जिनको उसने पहले ही जान लिया, उसने उनको बुलाया है. जिनको उसने बुलाया, उनको उसने निर्दोष ठहराया. और जिनको उसने निर्दोष ठहराया, उसने उनको महिमा मंडित किया?

227 हो सकता है आज उनमें से कुछ उस बेचारी औरत की तरह हैं जो कुएँ पर थी, गंदगी में, अविश्वास में, मनुष्य की परम्पराओं में, मनुष्य के बनाए हुए सिद्धांतों में. हो सकता है कि उन्होंने इन बातों को पहली बार सुना हो, लेकिन किसी चीज ने उनके हृदय को अनोखे ढंग से चेतावनी दी है. प्रभु, बहुतेरे हाथ उठे. वह महान् कुम्भकार अब उस पात्र को ग्रहण करे और उसे सम्मान के पात्र में गढ़ दें. मेरा विश्वास है कि कोई कारण है, प्रभु, नहीं तो वे ऐसा नहीं करते; वे ऐसा नहीं कहते. मैं अब भी विश्वास कर रहा हूँ, उनको थामे हुए.

228 प्रभु, अपने दीन-हीन सेवक को निवेदन करने दे. हमें उनके लिए निवेदन करने दें, इस प्रकार जैसे कोई जीते और मरे लोगों के बीच खड़ा है, जैसा कि वह सदोम में सदोमवासियों के लिए निवेदन कर रहा था, "इससे बाहर निकलो, जल्दी बाहर निकलो!"

229 प्रभु, वे आयें, दीनतापूर्वक और शांत मन से, अपने हृदय में स्थिर परमेश्वर के सिंहासन के पास, यह कहते हुए, "यीशु, आज दिन से तू मेरा है. अब मैं तुझसे यह प्रण करता हूँ, यहां इस सीट

पर बैठे-बैठे जहाँ तेरे आत्मा ने मुझ पर मर्म-प्रहार किया है. अगर उसने मुझे यहाँ असर किया है तो मुझे यहाँ के अलावे और कहीं नहीं जाना हैं. ठीक यहीं तू मुझसे मिला, ठीक यहीं हम इससे निबटने जा रहे हैं, ठीक यहीं इस दूसरी सीट, तीसरी सीट. पाचवीं सीट पर, चाहे और कोई. ठीक यहीं वह जगह है जहाँ इसका निबटारा करना है, क्योंकि यहीं तूने मुझे दोषी ठहराया हैं, और यही वह जगह है जहाँ तूने इसे ठीक करने का वादा किया. क्योंकि अगर मैं घिनौना और गंदा रहूँ, तो भी मुझे बर्फ की तरह सफेद होना हैं. मैं तेरे सारे वचन पर विश्वास करता हूँ; मैं इसमें चलने को तैयार हूँ, विश्वास करने और अंगीकार करने को तैयार हूँ. और मैं यह परमेश्वर की महिमा के लिए करता हूँ, जानते हुए कि मेरा जीवन मेरे काम का नहीं, यह परमेश्वर के काम का नहीं, यह मेरे पड़ोसियों के काम नहीं, यह किसी काम का नहीं, महज एक—शैतान के काम का जिसने मुझे कठपुतली बना रखा है, इधर-उधर फेंकने को, हो सकता हैं देखने के लिए किसी आदमी का खिलौना बनने को, शायद किसी औरत की मूरत बनने को. लेकिन हे परमेश्वर, मुझे अपना सेवक बना. इसकी अनुमति दे, प्रभु." मैं उन्हें यीशु मसीह, तेरे पुत्र, के नाम में तुम्हें सौंपता हूँ. अपने सिरों और अपने हृदयों को झुकाए हुए :

मुझे अपने मुक्तिदाता की पुकार सुनाई दे रही है (वास्तव में मित्र, यह आपका आखरी बार हो सकता है. क्या आप उस धीमी आवाज को सुन सकते हैं?) पुकारते हुए मैं सुन सकता हूँ. वह क्या है.... आपको क्या पुकार रहा है अगर आपका मुक्तिदाता क्या है? वचन.) मुक्तिदाता बुला रहा है, (उसे क्या करना चाहिये? दुनिया को छोड़ और ...)

"मेरा क्रूस लो पीछे हो लो, पीछे हो लो, (मैंने यीशु के

नाम में बपतिस्मा की अवहेलना की है, प्रभु.)"

मैं बगीचे से होकर उसके साथ चलूंगा,
मैं चलूँगा (उसके साथ कहाँ? जल से होकर,
बगीचे से होकर, हर कहीं दुआ के घर से,
पोखरे में, हर कहीं. निश्चय कर लीजिए.)
....उसके साथ बगीचे से होकर चलूँगा,
मैं उसके साथ चलूँगा, उसके साथ सारा रास्ता.
मैं उसके साथ न्याय में चलूँगा,
(कि वचन ठीक है या कलीसिया ठीक है.)
मैं चलूँगा ("कि मैं ठीक हूँ या वह ठीक है. मेरा विवेक ठीक है या उसका वचन ठीक है?" आप इस समय न्याय करने के स्थान में हैं. "जो मैंने विश्वास किया है, वह ठीक है या उसका वचन ठीक है? क्या मैं सोचता हूँ कि छोटे बाल रखने और जंघिया पहनने में कोई हर्ज नहीं? क्या मुझे लगता है कि किसी सम्प्रदाय में होने में कोई हर्ज नहीं?" उसने क्या कहा?

मैं उसके साथ राह भर चलूँगा. अब, जहाँ वह मुझे ले चलता है मैं वहाँ पीछे-पीछे चलूँगा, (मैंने भी अपने हाथ उठाए, प्रभु. प्रभु, जहाँ कहीं भी हो, अगला संदेश कहाँ प्रचारित करना हैं? आज रात वापस यहीं, दूर अफ्रिका में, जर्मनी में स्वीटजरलैंड में? कहाँ पर, प्रभु?)
जहाँ वह (जहाँ कहीं तू ले चलता हैं, प्रभु?) मैं पीछे चलूँगा,
मैं उसके साथ चलूँगा, उसके साथ सारी राह.

230 अब, अपने सिरों को झुकाए हुए क्या आप हर कहीं जाएंगे जहाँ वह आपकी अगुवाई करता है? क्या आप उसके साथ उस समय चलेंगे जबकि समय खराब चल रहा है? "लोग सता रहे हैं, ठट्ठा कर रहे हैं, मखौल उड़ा रहे हैं. मैं फिर भी उसके साथ

रहूँगा; मैं फिर भी चलूँगा. प्रभु, मैं सीधा तेरे साथ चलूंगा, प्रभु, जहाँ कहीं भी रहो. मैं फिर भी बफादार और खरा रहूँगा. घमासान युद्ध में भी मैं बफादार और खरा रहूँगा. अगर मैं गिरूँ तो तू तुझे फिर उठा लेगा." जो मेरे वास्ते अपनी जान खोता हैं वह पाएगा." सो मैं उसके साथ चलूँगा, उसके साथ सारा रास्ता.

231 अब, जो कोई अपने दिल से यह कहता है, हम सब अपना हाथ और हृदय उसकी ओर उठाएँ.

जहाँ वह मुझे ले चलता है मैं चलूँगा,
जहाँ वह मुझे ले चलता है मैं चलूंगा,
जहाँ वह मुझे ले जलता है मैं चलूंगा,
मैं उसके साथ चलूँगा, उसके साथ सारा रास्ता.
वह मुझे कृपा और महिमा प्रदान करेगा,
वह मुझे देगा. (हे प्रभु यीशु, तू अब इन रूमालों पर अपनी

साँस डाल. इन बीमारों और दुःखी लोगों को चंगाई दे, प्रभु. इसे प्रदान कर, प्रभु. प्रभु, इन्हें यीशु के नाम से चंगाई दे.)

232 अब आपको अच्छा लगता है? लगता है अब सब तैयार है. अगर वह .. प्रभु की तुरही बजेगी और समय न बचेगा. यही अब वह आखिरी तुरही है. और जब कभी नहीं खत्म होनेवाली, चमकती और सुहावनी सुबह होगी. अब हम सब गाएँ : प्रभु की तुरही जब बजेगी (हमें सुर दीजिए.)

जब प्रभु की तुरही बजेगी, और समय बाकी न बचेगा,
और कभी न खत्म होनेवाली, चमकीली और सुहावनी सुबह होगी;
जब धरती के उद्धार पाए लोग दूसरे किनारे पर जमा होंगे,
जब वहाँ पर हाजिरी होगी, मैं वहाँ रहूँगा.
जब वहाँ पर हाजिरी होगी,

जब वहाँ पर हाजिरी होगी,
जब वहाँ पर हाजिरी होगी,
जब वहाँ पर हाजिरी होगी, मैं वहाँ रहूँगा.
उस मेघरहित सुबह में जब मसीह में मरे लोग जी उठेंगे,
और उसके पुनरूत्थान की महिमा के भागी होंगे;
जब जीवन का सब खत्म हो जाएगा, और
धरती पर हमारा काम खत्म हो चुकेगा,
और वहाँ पर हाजिरी होगी, मैं वहाँ रहूँगा.
जब वहाँ पर हाजिरी होगी,
जब वहाँ पर हाजिरी होगी,
जब वहाँ पर हाजिरी होगी,
जब वहाँ पर हाजिरी होगी, मैं वहाँ रहूँगा.

233 हम अपने हाथ उठाएँ और कहें, "तेरी कृपा से, प्रभु." तेरी कृपा से, प्रभु! [मंडली दुहराती हैं— सं०] अब हम मसीह में भाई और बहन हैं. हमलोग जरा घूमें और बगल में किसी से हाथ मिलायें और कहें, "परमेश्वर की सहायता से, जब वहाँ पर हाजिरी होगी...."

जब वहाँ पर हाजिरी होगी,
जब वहाँ पर हाजिरी होगी,
जब वहाँ पर हाजिरी होगी,
जब वहाँ पर हाजिरी होगी, मैं वहां रहूँगा.

हमें किस बात की प्रतीक्षा है?

जब वह तुरही (आखिरी तुरही!)
प्रभु फूंकेगा, समय न रहेगा,....
(बस हम पलक मारते अनन्त काल में होंगे)
और सुहावनी;
और तब जब धरती के उद्धार पाए लोग अपने—
दूसरे किनारे पर,

जब वहाँ पर हाजिरी होगी, मैं वहाँ रहूँगा. (बस इसको गाएँ!)

जब वहाँ पर हाजिरी होगी,
जब वहाँ पर हाजिरी होगी,
जब वहाँ पर हाजिरी होगी,
जब वहाँ पर हाजिरी होगी, मैं वहाँ रहूँगा.

234 ओह, क्या वह एक समय न होगा? बस घूमते हुए आप किसी को कहते सुनेंगे. "यह कौन? माँ!" आमीन! "अब ज्यादा देर नहीं होगी." कुछ ही क्षणों में आप बदल जाएँगे. और हमलोग— हमलोग उनसे मिलेंगे और उनके साथ होकर आसमान में प्रभु से मिलेंगे. ओह, क्षण भर में, पलक मारते. कहेंगे "यह रहे ब्रदर सेवर्ड (पुराने ब्रदर जो यहाँ चर्च में हुआ करते थे). क्यों भाई, डीआर्क. यह रहे भाई ... सो— क्यों यहां देखो, वे लोग मेरे चारों ओर हैं. बात क्या है?" कुछ ही क्षणों में आप ... "मैं जानता हूँ वे लोग मेरे सामने प्रकट हुए हैं. अब देर नहीं; मैं अब परिवर्तित होने जा रहा हूँ, बस एक क्षण में." ओह, हाँ! जब कभी न खत्म होनेवाली, चमकीली और सुंदर सुबह होगी. सभी रहस्यमय बादल ...

235 जैसा कि उसने कहा, इस्राएल अब सुबह के बादल भाप की तरह हो गया है तेरी धार्मिकता फीकी पड़ चुकी है. और जब यह सब सूर्य के प्रकाश में विलीन हो चुकेगा जिसमें सब कुछ है (आमीन!), तब वहाँ पर हाजिरी होगी, मैं वहां रहूंगा. बिलकुल ठीक, आज रात तक :

हमारे मिलने तक, हमारे मिलने तक, (हम नहीं जानते यह कब होगा, मित्र. काफी समय तक यह कहानी बनी रही हैं, लेकिन यह सच्चाई है; और ऐसा होगा. हमलोग अब ठीक उस समय में हैं.)

हमारे मिलने तक, हमारे मिलने तक, (परमेश्वर की कृपा से

हम आशा करते हैं यह आज रात 7-30 बजे होगा.)
हमारे फिर मिलने तक परमेश्वर आपके साथ हो.

236 हमलोग अब अपने पैरों पर खड़े हो जाएँ. ओह! क्या यह अद्भुत बात नहीं हैं? यह यीशु मसीह में स्वर्गिक स्थान है. हम किसी चीज के लिए इसे नहीं बदलेंगे. आप जानते हैं मैं मछली मारना और शिकार करना कितना पसंद करता हूँ, क्योंकि वहां मैं बियावान में परमेश्वर को देखता हूँ; मुझे यह अच्छा लगता है. फिर भी, ओह एक मिनट के लिए भी इन सब अनुभवों को नहीं बदलूँगा..?... इसका एक मिनट, इसमें संतोष हैं.

237 "हे परमेश्वर, हम में नवजीवन पैदा कर. मुझे नवजीवन बना. हममें से हर एक नवजीवन हो, मुझमें नवजीवन हो. प्रभु, मुझे भूख और प्यास दे. प्रभु, मुझमें वह पैदा कर जिसकी मुझमें कमी है. इस घड़ी के बाद से मुझे अपनाले और भी समर्पित सेवक, और भी अच्छा सेवक, तेरे द्वारा और भी आशिषित, और भी योग्य, और भी नम्र, और भी दयालु, काम करने को और भी तत्पर, ज्यादा स्वीकारात्मक चीजों की ओर देखनेवाला और अतीत को और नकारात्मक चीजों को भूलनेवाला. मुझे मसीह के आसमानी बुलावे के निशान की तरफ बढ़ने दे. आमीन! हमारी यही इच्छा है; है न?

बिलकुल ठीक, हम— हम आज रात मिलने तक, यीशु का नाम अपने साथ ले चलें, हममें से हर एक.

यीशु का नाम अपने साथ ले जाओ,
दुःख और विपत्ति की संतान;
यह तुम्हें खुशी और आराम देगा,
जहां कहीं भी जाओ इसे ले जाओ.

अनमोल नाम, कितना मीठा!
पृथ्वी की आशा और स्वर्ग का आनंद;
अनमोल नाम, कितना मीठा!
पृथ्वी की आशा और स्वर्ग का आनन्द.
अब हम अपने सिरों को झुकाएँ.
यीशु का नाम अपने साथ ले जाओ,
हर फंदे से ढाल के तौर पर;
जब तुम्हारे चारों ओर प्रलोभन एकत्र हो,
प्रार्थना में उस पवित्र नाम को ले....

शुद्धि-पत्र — क्षमा-याचना

छपाई में बहुत-सारी भूलें हैं. विराम-चिह्नों की तो और भी अनदेखी की गई. सभी अशुद्धियों की सूची काफी लम्बी हो जायगी, इसलिये यहाँ सिर्फ उन्हीं अशुद्धियों को शामिल किया जा रहा है जिनके कारण भाव स्पष्ट नहीं होता. निकट भविष्य में होनेवाले हमारे अन्य प्रकाशनों में "शुद्धि-पत्र" की आवश्यकता नहीं होगी.

पैरा/लाइन	अशुद्ध	शुद्ध
प्रस्ता.1/8	12/3	12/13
„ 5/1	हृदय	हृदय
14/4,7	ठिक	ठीक
35/7	टम	हम
38/4	यशु	यीशु
	करनी	कटनी
39/2	इसके	इसके बाद
41/9	छापनेवाला	छलनेवाला
„ 11	नगी	नंगी
42/2	दुलहन के सामने	दुलहन के रूप में
46/2	पिछे-पिछे	पीछे-पीछे
52/2	की	कि
55/3	अपनी	अपने
57/4	यनी	यानी
63/5	मुहर	मुहर के
68/2	एलियस	एलिय्याह
69/6	मौत	मौत मनुष्य को
75/12	हर्पोन्माद	हर्षोन्माद
81/1	वक्त	वक्त है
82/5,7	कमिंड	कमिङ्ग
83/6	कगर	मगर
,, 8	जागते	जानते
86/5	बठे	बैठे

कृपया पृष्ट उल्टें.

पैरा/लाइन	अशुद्ध	शुद्ध
91/1	दिन को नहीं	दिन को नहीं जाना
126/1	वैसे	कैसे
132/1	जाएँ	जाऊँ
135/7	निकालना	निकालने
137/1	धर्मसम्त	धर्मसम्मत
144/6	कहते	करते
145/1	भष्ट	भ्रष्ट
,, 5	है	हूँ

पैरा/लाइन	अशुद्ध	शुद्ध
169/11	विरोध है	विरोध करते हैं
190/11	संदेह	सदेह
194/3	सुला	बुला
196/13	बहुत	बहुत खूब
200/2	राष्ट्र न हो	राष्ट्र नष्ट न हो
229/35 (पेज 75)	चलँगा	चलूँगा
232/13	सुहावानी	सुहावनी

प्रस्तावना

प्रत्येक युग को परमेश्वर के वचन के लिए नया अवसर मिलता है. आदम को जो संदेश मिला वह उसका अवसर था, उसकी परीक्षा थी (उत्पत्ति 2/16, 17). इसके बाद नूह की टोली को उसका अवसर मिला, उसकी परीक्षा हुई (उत्पत्ति 6/12 से 7/9 और इब्रानियों 11/7). मूसा के पास अपने युग के लिए संदेश था, जो इब्राहीम को दिये गए परमेश्वर के वचन के अनुकूल था (उत्पत्ति 15/13, 14). उनके अंतिम निर्गमन के लिए क्या जरूरी था ? (निर्गमन 12/13), दरवाजे पर लगा खून.

ईसाई धर्म में अधिकांश लोग विश्वास करते रहे कि सिर्फ इतिहास में विश्वास करने से ही उन्हें परमेश्वर के साथ सहभागिता और रक्त का आवरण मिल सकता था. बाइबिल इससे परे भी एक चीज की जरूरत बताती है. 1 यूहन्ना 1/7 : ".....यदि हम ज्योति में चलते हैं जिस प्रकार वह ज्योति में है ..... "

नूह के दिनों का प्रकाश मूसा के लिये कारगर नहीं होता. यीशु जब मूसा के व्यवस्था-विवरण 18/15 में दिए गये वचन के अनुसार आया और मूसा के अनुयायी उस अधिक प्रकाश में आने में असमर्थ रहे, तो उनकी पराजय हुई.

. इसी तरह, जिस प्रकाश ने लूथर के दिनों में पुनर्जागरण किया और धर्म-सुधार लाया आज 1 यूहन्ना 1/7 का लाभ नहीं देता . यही बात जौन वेस्ली के मेथोडिस्ट पुनर्जागरण के बारे में कही जा सकती है. यह उस समय के लिए अच्छा था. किन्तु जिस प्रकार बीहड़ में अग्नि के स्तम्भ के पीछे चलना था उसी प्रकार

क्रमशः होनेवाला यीशु मसीह का प्रकाशन भी, क्योंकि वह उत्तरोत्तर परमेश्वर के अंकित वचन, बाइबिल के द्वारा स्वयं को प्रकाशित करता है.

अब हम प्रवचन की ओर चलते हैं. यह सच्चे हृदयवालों के लिए, जो आज के प्रकाश में चलना चाहते हैं, मार्गदर्शक है, वहाँ जाने के लिए जहाँ अग्नि का स्तम्भ इस समय विद्यमान है, "अपने दिन और उसके संदेश को पहचाने के द्वारा".

लूका 17/13.

अपने दिन और उसके संदेश की पहचान

RECOGNIZING YOUR DAY AND ITS MESSAGE

July 26, 1964

Branham Tabernacle

Jeffersonville, Indiana, U.S.A.

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org